वर्ष 24, अंक 119, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 8 नवंबर 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

वंदे मातरम के टुकड़े किए, देश के विभाजन के बीज बोए: पीएम

नई दिल्ली

कांग्रेस पर एक स्पष्ट हमले में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था, जिससे विभाजन के बीज बोए गए और इस तरह की विभाजनकारी मानसिकता आज भी देश के लिए एक चुनौती है। मोदी ने यह टिप्पणी राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक साल तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन करते हुए की।

मोदी ने इस अवसर पर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। "वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया, इसने प्रत्येक भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 1937 में, ह्यवंदे मातरमह्ल के महत्वपूर्ण पदों, उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। ह्यवंदे मातरमह्ल को तोड़ दिया गया था। 'वंदे मातरम' के इस विभाजन ने, देश के विभाजन के भी बीज बो दिए थे। राष्ट्र-निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है। क्योंकि वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

बिहार को चाहिए सुशासन, 'कट्टा सरकार' नहीं; मोदी ने गिनाई राम मंदिर, 370 की उपलब्धियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 'जंगल राज' वालों के पास वो सब कुछ है जो राज्य में निवेश और नौकरियों को खतरे में डालता है। औरंगाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार की जनता 'कट्टा सरकार' नहीं चाहती। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी वाले सत्ता के लिए किसी को भी धोखा दे सकते हैं। औरंगाबाद इसका सबसे बड़ा साक्षी है। यहां जो कुछ हुआ, उसे पूरा बिहार देख चुका है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष का आरजेडी ने अपमान किया। आरजेडी ने कांग्रेस को वही सीटें दीं, जिन्हें वो पिछले 35-40 वर्षों से जीत नहीं पाई है। आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री की उम्मीदवारी छीन ली। जो लोग अपने साथियों को धोखा दे सकते हैं।

मोदी ने कहा कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने एक बार कहा था कि बंकिमचंद्र की 'आनंदमठ सिर्फ एक उपन्यास नहीं है, यह स्वाधीन भारत का एक स्वप्न है।

लालू के बेटे जीतें तो खुलेगा 'अपहरण विभाग'

अमित शाह का RJD पर वार बिहार में होगा जंगल राज!

बिहार

6 दिनों में ही रक्तवाहिकाएँ 18 साल की उम्र जैसी हो जाएँगी! बस रोज सुबह खाली पेट यह करना है यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है टूटे, टेढ़े, ढीले दांत!

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत पर विश्वास जताया और लोगों को आगाह किया कि अगर लोग 11 नवंबर को होने वाले बिहार चुनाव के दूसरे चरण में कमल (भाजपा पार्टी का चुनाव चिन्ह) या तीर (जदयू पार्टी का चुनाव चिन्ह) दबाने से भटके तो कुख्यात जंगल राज की वापसी हो सकती है। बिहार के जमुई में शाह ने लोगों से कहा कि अगर आप जरा सी भी चूक करते हैं और कमल या तीर के निशान से थोड़ा भी भटकते हैं, तो जंगल राज एक बार फिर लौट आएगा। क्या जमुई जंगल राज चाहता है? केंद्रीय मंत्री शाह ने जमुई ज़िले में एक जनसभा को संबोधित किया, जहाँ 11 नवंबर को दूसरे चरण के मतदान होने हैं। जमुई ज़िले में चार विधानसभा क्षेत्र हैं और शाह ने लोगों से "चारों सीटें एनडीए के खाते में डालने" का आग्रह किया। बिहार में एनडीए के

नेतृत्व वाली सरकार की पहल की सराहना करते हुए, शाह ने "भारत को नक्सल मुक्त" बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे जमुई सहित विभिन्न ज़िलों में शांतिपूर्वक मतदान हो सकता है, जो पहले एक नक्सल-प्रधान क्षेत्र था। अमित शाह ने कहा, "इस नक्सली इलाके में लगभग 150 नक्सलियों ने धनबाद पटना एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया था, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी। यह इलाका पूरी तरह से नक्सलियों के कब्जे में था, लेकिन इस इलाके को नक्सल मुक्त बनाना प्रधानमंत्री मोदी का काम है। पहले लोग दोपहर 3 बजे तक ही वोट कर सकते थे, लेकिन अब हम लोग शाम 5 बजे तक वोट कर सकते हैं।" लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि अगर महागठबंधन सत्ता में आया तो वह एक नया विभाग अपहरण खोलेगा।

आरएसएस-भाजपा ने कभी नहीं गाया वंदे मातरम, सिर्फ 'नमस्ते सदा वत्सले': खड़गे

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर इस गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने और अपने कार्यालयों, शाखाओं, अपने ग्रंथों या साहित्य में इसे "छूटने" का आरोप लगाया, जबकि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक लोकप्रिय नारा है। खड़गे के अनुसार, आरएसएस

भारत के राष्ट्रीय गीत की बजाय संगीतमय प्रार्थना "नमस्ते सदा वत्सले" गाना पसंद करता है। कांग्रेस पार्टी की परंपराओं से इसकी तुलना करते हुए, उन्होंने बताया कि 1986 से लेकर आज तक, कांग्रेस की हर बैठक, चाहे वह पूर्ण अधिवेशन हो या ब्लॉक स्तरीय बैठक, नेताओं ने वंदे मातरम गाया है। खड़गे ने गीत की 150 वीं वर्षगांठ पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह बहुत ही विडंबनापूर्ण है कि जो लोग आज राष्ट्रवाद के स्वयंभू संरक्षक होने का दावा करते हैं - आरएसएस और भाजपा, उन्होंने कभी भी अपनी शाखाओं या कार्यालयों में वंदे मातरम या हमारा राष्ट्रगान जन गण मन नहीं गाया।

राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया- धर्मेंद्र प्रधान

उनका हाइड्रोजन बम हो गया निष्क्रिय

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में "वोट धोखाधड़ी" के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने उनके आरोपों को झूठा बताया और दावा किया कि राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी, जिन्हें उन्होंने "झूठा" बताया, एक "नया स्टार्टअप" चला रहे हैं जो "झूठ फैलाने और झूठे आख्यान गढ़ने" पर केंद्रित है।

एएनआई से बात करते हुए, धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने तीन दिन पहले एक 'हाइड्रोजन बम' गिराने का दावा किया था। वह बम धराशायी हो गया... जो व्यक्ति खुद झूठा है और झूठे तथ्य प्रस्तुत करता है, वह एक नया स्टार्टअप चला रहा है और उसका मुख्य काम झूठी कहानी गढ़ना और झूठ फैलाना है। कांग्रेस नेता पर निजी हमला करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, "वह सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं और दिवालियापन की ओर बढ़ रहे हैं... राहुल गांधी मानसिक रूप से दिवालिया हो चुके हैं। ऐसे व्यक्ति को यह एहसास ही नहीं होता कि वह क्या कह रहे हैं। वह चुनाव आयोग से समय लेते हैं, लेकिन न तो आते हैं और न ही कोई तथ्य पेश करते हैं। वह केवल नाटक करते हैं। आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। यह उनका राजनीतिक चरित्र बन गया है। एक विपक्ष के नेता को यह शोभा नहीं देता।

2027 में आएगी 'बदलाव की लहर'- आजम खान

लखनऊ

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनके आवास पर मिले। लगभग 30 मिनट तक चली इस मुलाकात को मौजूदा राजनीतिक माहौल में अहम माना जा रहा है। मुलाकात के बाद, आजम खान ने कोई विस्तृत जानकारी देने से परहेज किया, लेकिन कहा कि वह अपने, अपने परिवार और समर्थकों के साथ हुए अन्याय की कहानी साझा करने आए थे। आजम खान ने कहा कि हमने एक-दूसरे से दिल की बात की। जब दो समान विचारधारा वाले राजनेता मिलते हैं, तो स्वाभाविक रूप से सार्थक चर्चाएँ होती हैं। सपा नेता ने कहा कि विपक्ष अक्सर अपने राजनीतिक हितों को साधने वाली टिप्पणियों का सहारा लेता है; हर पार्टी की अपनी विचारधारा और मान्यताएँ होती हैं। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि 2027 में बदलाव की लहर आएगी और मैं उसका हिस्सा बनूँगा। आजम खान ने अपने और अपने सहयोगियों के साथ हुए व्यवहार को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहाः "हमारे साथ जो अन्याय हुआ है, उस पर हम आपस में चर्चा करते हैं। मुझे उम्मीद है कि मेरे या किसी और जैसे अन्याय का सामना किसी और को न करना पड़े। हम अदालतों से न्याय और सभी एजेंसियों से निष्पक्षता चाहते हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके, उनके सहयोगियों और विश्वविद्यालय के साथ जो अन्याय हुआ है, वह किसी और के साथ नहीं होना चाहिए।

बिहार में चल रहे 'जंगल राज' के मुद्दे पर बोलते हुए, आजम खान ने सार्वजनिक रूप से बिहार जाने से इनकार कर दिया और कहा, "वहाँ जंगल राज की बात हो रही है, लेकिन जंगलों में तो कोई इंसान रहता ही नहीं।

प्रियंका गांधी की सीईसी ज्ञानेश कुमार को सीधी चेतावनी

शांति से रिटायर नहीं होंगे आप

नई दिल्ली

6 दिनों में ही रक्तवाहिकाएँ 18 साल की उम्र जैसी हो जाएँगी! बस रोज सुबह खाली पेट यह करना है बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राज्य में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रेगा में एक रैली के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और दो अन्य अधिकारियों पर खुलेआम निशाना साधकर आग में घी डालने का काम किया। मंच पर प्रियंका गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार, अगर आप सोचते हैं कि आप शांति से रिटायर हो जाएँगे, तो ऐसा नहीं होगा। मैं जनता से कहती हूँ, ज्ञानेश कुमार का नाम कभी मत भूलना।" उन्होंने एस.एस. संधू और विवेक जोशी का भी नाम लिया और जनता से उनके नाम याद रखने की अपील की, जिस पर उनके समर्थकों ने "चोर-चोर" के नारे लगाए।

प्रियंका गांधी ने कथित मतदान अनियमितताओं की आलोचना की और हरियाणा में कथित तौर पर वोटों से छेड़छाड़ का ज़िक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता उन्हें धोखा देने की कोशिशों को माफ नहीं करेगी। उन्होंने अपनी चेतावनी दोहराते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार, एस.एस. संधू और विवेक जोशी सहित इसमें शामिल लोगों को, अगर लगता है कि गलत कामों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तो उन्हें चैन से सो जाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

एक्सप्रेसवे पर हो पेट्रोलिंग, स्कूलों में फेंसिंग जरूरी...

आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि सभी आवारा कुत्तों को शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों के परिसरों से हटाया जाए। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नसबंदी के बाद ऐसे कुत्तों को उसी क्षेत्र में वापस नहीं भेजा जाना चाहिए। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर निकायों को एक और कड़ा निर्देश जारी किया। उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और अन्य सड़कों से आवारा पशुओं को हटाया जाए। पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक समर्पित राजमार्ग गश्ती दल गठित करने का भी आदेश दिया, जो सड़कों पर ऐसे मवेशियों को पकड़ेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें आश्रय गृहों में पहुँचाया जाए, जहाँ उनकी उचित देखभाल की जाएगी।

यह निर्देश देश भर में कुत्तों के काटने के मामलों पर पीठ द्वारा की जा रही स्वतः संज्ञान कार्यवाही के तहत जारी किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने आदेश दिया कि इन स्थानों से आवारा कुत्तों को उठाने की ज़िम्मेदारी संबंधित स्थानीय स्व-सरकारी निकायों की होगी। उन्हें पशु जन्म नियंत्रण नियमों के

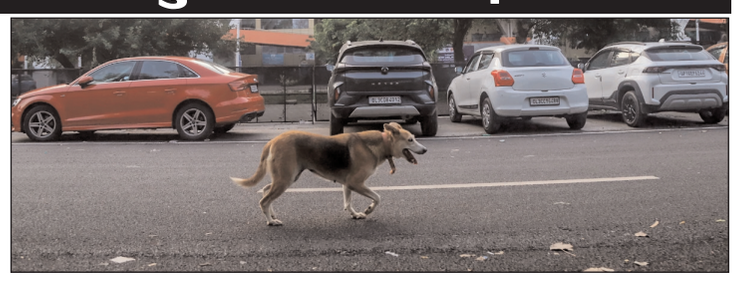

तहत नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को निर्दिष्ट आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करना होगा। न्यायालय ने कहा कि इन कुत्तों को वापस उसी स्थान पर छोड़ने से इस प्रक्रिया का पूरा उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। न्यायालय ने कहा कि इसकी अनुमति देने से ऐसे संस्थानों को आवारा कुत्तों की उपस्थिति से मुक्त करने का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दो हफ़्तों के भीतर सरकारी और निजी स्कूलों, कॉलेजों, चिकित्सा केंद्रों, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और खेल सुविधाओं की पहचान करने का निर्देश दिया।

साथ ही, आठ हफ़्तों के भीतर इन स्थानों को, अधिमानतः चारदीवारी से सुरक्षित करने का निर्देश दिया ताकि आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश न कर सकें। नियमित निगरानी और रखरखाव के लिए प्रत्येक चिन्हित स्थान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। नगर निकाय और पंचायतें कम से कम तीन महीने तक आवधिक निरीक्षण करेंगी और अनुपालन रिपोर्ट न्यायालय को प्रस्तुत करेंगी।

बिहार चुनावः योगी आदित्यनाथ ने किसे बताया खानदानी लुटेरा?

'ये लोग नौकरी क्या देंगे'

बिहार

बिहार विधानसभा चुनाव (2025) के दूसरे चरण चरण के लिए प्रचार-प्रसार जारी है. शुक्रवार (07 नवंबर, 2025) को रक्सौल में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा की. इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए आरजेडी को निशाने पर लिया और जमकर हमला किया.

योगी आदित्यनाथ ने कहा, "किसी के बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है. जिन्होंने आपकी जमीन हड़प ली हो वो नौकरी क्या देंगे? ये लोग नौकरी क्या देंगे जो पशुओं का चारा खा जाते हों? ये केवल गरीब का राशन हड़पने के लिए धोखा देने का काम कर रहे हैं. इनके झूठ-फरेब में आने की आवश्यकता नहीं है."

यूपी के मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा, "हमें तो एक संकल्प लेकर चलना है, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त कर देंगे. हम भी आपसे कहने के लिए आए हैं."

'इन खानदानी लुटेरों को समर्थन नहीं करना है'

सीएम योगी ने कहा कि बिहार का क्षेत्र यूपी से सटा हुआ है. यूपी में माफिया की क्या दुर्गति हुई है आप देख ही रहे होंगे. कैसे गरीब की संपत्ति को कब्जा करने वाले माफिया हों, बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले या किसी की बेटी का अपहरण करने वाले माफिया, यूपी में उसके लिए दो ही जगह रहती है, एक यमराज के घर जाने का टिकट, दूसरा उसने जो भी संपति लूट कर बनाई है उसको सरकार कब्जे में लेकर गरीब के लिए हवेली बनाने का काम करती है. इसलिए कहने आया हूं कि इन खानदानी लुटेरों को समर्थन नहीं करना है.

बता दें कि बिहार में पहले चरण का मतदान समाप्त हो चुका है. अब 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है. इसको लेकर बिहार के अलग-अलग जिलों में जोरशोर से बड़े नेताओं की जनसभाएं जारी हैं।

दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण का संकट गहराया,

सुप्रीम कोर्ट 12 नवंबर को मामले की करेगा सुनवाई

दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहराता जा रहा है और हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुँच गई है। विशेषज्ञों और अधिकारियों ने वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन और औद्योगिक प्रदूषण के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने को भी इसमें प्रमुख भूमिका निभाने वाला बताया है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय 12 नवंबर को वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई करेगा। कार्यवाही के दौरान, वकीलों ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, "जैसा कि अदालत को पता होगा, एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ रही है। 3 नवंबर को अदालत ने आयोग और सीपीसीबी को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

इस मामले की सुनवाई के लिए अभी तक कोई निश्चित तिथि निर्धारित नहीं की गई है। सुनवाई सोमवार को हो सकती है। यह अत्यावश्यक है और हमें वास्तव में नहीं पता कि शहर की हवा लगातार खराब होती जा रही है, जबकि क्या हो रहा है। दो दिनों के थोड़े सुधार के बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुँच गई।

बेलहट पहाड़ी पर पर्यावरण विभाग की मंजूरी बगैर हो रहा खनन, धड़ल्ले से संचालित हो रहे क्रेशर प्लांट

पट्टे की वैधता अवधि शेष, पर्यावरण विभाग की अनापत्ति प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त

अखंड भारत संदेश

पसना। कोरांव तहसील क्षेत्र के बेलहट गांव में क्रेशर प्लांट मालिकों द्वारा कथित तौर पर अवैध खनन का खेल चल रहा है। इसी गांव में प्रयागराज मंडल का अटल आवासीय विद्यालय भी स्थित है, जिसकी खदान से दूरी लगभग 200 मीटर है।

खनन विभाग में पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जांच रिपोर्ट में अधिकारियों ने इस पहाड़ी पर तीन खनन पट्टे स्वीकृत होने की जानकारी दी है। हालांकि, रिपोर्ट में पर्यावरण विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की वैधता समाप्त होने के कारण लगभग एक वर्ष से खनन कार्य बंद बताया गया है।

स्थानीय निवासियों ने भी नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इन खदानों में अब भी खनन कार्य लगातार जारी है। दोपहर के समय ब्लास्टिंग का काम भी हो रहा है। विभाग की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि खदानों से 500 मीटर की दूरी पर दो क्रेशर प्लांट स्थित हैं, जिनमें पत्थर और बोल्डर की क्रशिंग का कार्य हो रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब खनन कार्य एक साल से बंद है, तो क्रेशर प्लांट कैसे और क्यों चालू हैं।

खनन से उड़ने वाली धूल और डस्ट से आसपास की बस्तियां और अटल आवासीय विद्यालय के छात्र व स्टाफ बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारी ट्रकों की आवाजाही से सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं, और धूल के कारण आसपास की फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार खनन विभाग ने क्रेशर प्लांट पर क्षेत्रीय पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के संबंध में संबंधित विभाग को कार्यवाही के लिए पत्र भी लिखा है। मंडल स्तरीय विद्यालय होने के कारण इस इलाके में हमेशा अधिकारियों का आवागमन भी बना रहता है।गौरतलब है कि सितंबर माह में जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने क्रेशर प्लांट होकर अटल आवासीय विद्यालय तक जाने वाली सड़क

निर्माण का निरीक्षण भी किया था। इस संबंध में उपजिलाधिकारी कोरांव संदीप तिवारी ने बताया कि बेलहट में खनन पट्टो की वैधता अभी समाप्त नहीं हुई है,पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त होने की जानकारी मेरे संज्ञान में नहीं है, इस बाबत खनन विभाग से पत्राचार कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।क्षेत्रीय निवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि बिना पर्यावरण विभाग की अनुमति के हो रहे अवैध खनन और क्रेशर प्लांट का संचालन तुरंत बंद किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

खंड स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रतिभागियों को विधायक व एसडीएम ने किया पुरस्कृत

अखंड भारत संदेश

करछना। शुक्रवार को करछना क्षेत्र के मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज में खंड स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कबड्डी और बैडमिंटन सहित आठ खेल विधाओं में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद ने किया। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को

मजबूत करते हैं। नियमित अभ्यास से युवा अपनी दिशा तय कर सफलता की ऊंचाइयां प्राप्त कर सकते हैं।

वहीं विशिष्ट अतिथि एसडीएम करछना भारती मीणा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 400 मीटर बालक वर्ग दौड़ में विपिन कुमार कुशवाहा और बालिका वर्ग में कुसुम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 1500 मीटर दौड़ में अंकित कुमार और 200 मीटर में सुष्मा ने बाजी मारी, जबकि गोला फेंक स्पर्धा में मालती पाल प्रथम रहीं। वॉलीबॉल सब-जूनियर वर्ग में मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज की छात्राओं की टीम विजेता रही। कबड्डी के जूनियर और सब-जूनियर दोनों वर्गों में भी इसी कॉलेज की टीम ने जीत दर्ज की।

कार्यक्रम में त्रिवेणी पांडेय, मदन मोहन शंखधर, लक्ष्मी शंकर पांडेय, सीडी सिंह, बीडीओ अमित मिश्र, एडीओ दिनेश पाठक, बीओ संतोष सिंह, कार्तिकेय कुशवाहा, रिंकू सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ी, शिक्षक और गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन ब्लॉक प्रमुख कौंधियारा इंद्रनाथ मिश्र द्वारा किया गया।

मोक्ष दायानी है श्रीमद् भागवत महापुराण कथा : आचार्य हरिकान्त

करछना। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा पाप नाशिनी और मोक्षदायिनी है। इस कथा के श्रवण से मनुष्य में जीवन के प्रति त्याग, तप,योग, सदाचार, भक्ति, चरित्र, चिंतन की जागृति होती है और मन के सारे विकार दूर हो जाते हैं । यह बातें क्षेत्र के कचरी गांव में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा

सप्ताह के तीसरे दिन व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक आचार्य हरिकान्त मिश्र ने कही। उन्होंने ध्रुव उपाख्यान और जड़ भरत प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रोता भक्त जनों को भाव विभोर कर दिया। इसके पूर्व परीक्षित जन्म और वाराहअवतार की कथा सुनाते हुए उन्होंने काम,क्रोध,लोभ मोह और मद पूर्ण जीवन से निवृत्ति पाने के लिए भागवत कथा के श्रवण पर जोर दिया। गोकर्ण और धुंधकारी की कथा कहते हुए आचार्य जी ने कहा कि मृत्यु के बाद दुष्ट प्रकृति के धुंधकारी की भटकती आत्मा को आखिरकार गोकर्ण द्वारा मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। संगीतमय कथा के दौरान मुक्ति मार्ग प्रशस्त करने वाले कई भजनों से भी उन्होंने श्रोताओं को आह्लादित किया। इसके पूर्व कथा श्रवण कर रही त्रिवेणी देवी ने महापुराण और आचार्य की आरती की। संयोजक कृष्णराज सिंह ने कथा श्रवण करने आए सभी श्रोता भक्तजनों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर रामकुमार सिंह, वंशराज, बृजराज, रामबली, कृष्णबली सिंह, युवराज,ᑭ ाम्रराज सिंह, लक्ष्यराज पृथ्वीराज, डॉ.योगेश सिंह, विमलेश्वर दास धीरज, पृथ्वीराज सिंह, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

जिलाधिकारी को स्कार्फ-वागेल लगाकर स्काउट/गाइड का 75वां स्थापना दिवस मनाया गया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारत स्काउट और गाइड के 75वे स्थापना दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी/अध्यक्ष भारत स्काउट और गाइड उत्तर-प्रदेश जनपद प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा,अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र कुमार तिवार, जिला मुख्य आयुक्त/जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी एन सिंह,सह जिला विद्यालय निरीक्षक अजय गिरि एवं विधायक संदीप पटेल, जिला आयुक्त कब सेक्शन वीरेंद्र कनौजिया, सहायक कमिश्नर धर्मेंद्र सिंह अवधेश कुमार सिंह को स्कार्फ वागेल तथा स्टिकर लगाकर स्थापना दिवस मनाया गया।इस अवसर पर भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जनपद प्रयागराज के जिला सचिव डॉक्टर पी पी सिंह सहायक लीडर ट्रेनर पीयूष कुमार सिंह जिला प्रशिक्षण आयुक्त फिरोज आलम खान भावना मंगोलकर जिला संगठन आयुक्त मीरा सिंह स्काउट मास्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी व टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश को लेकर बहन और भाई को मारा पीटा, दी गई तहरीर

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर दो सगी बहनों और उसके भाई को मार पीट कर जख्मी कर दिए।घायल बहनों ने थाने में तहरीर दी है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय ख्वाजा निवासनीय गुड़िया बानों और वारिशा बानों पुत्री हामिद हुसैन का आरोप है कि पड़ोसी ने पुरानी रंजिश को लेकर दोनों बहनों को घसीट घसीट कर मारा पीटा गया तथा भाई को भी मारे पीटे। आरोप है कि मार पीट के दौरान कपड़े फट गए । गुड़िया बानों और वारिशा बानों ने मऊआइमा थाने में नामजद तहरीर दी है। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है।

बीआरसी सोरांव में दो दिवसीय नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम हुआ संपन्न

नवाचार ही शिक्षा की आत्मा है : बीईओ सोरांव सुमन मिश्रा

अखंड भारत संदेश

सोरांव। ब्लॉक संसाधन केंद्र सोरांव प्रयागराज में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज के निर्देशन में 6 एवं 7 नवम्बर 2025 को दो दिवसीय नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों ने अपने-अपने नवाचारों का नवाचार मेला एवं पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं आनंद दायक बनाने हेतु विविध मॉडल तथा गतिविधियों की प्रस्तुतियां दीं। मूल्यांकन के उपरांत प्राथमिक स्तर पर

दिव्या त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय इस्माइलगंज (सेकेंड) प्रथम स्थान पर रहीं। जिन्होंने विजिटर बुक, फीडबैक बुक एवं नंबर अरेंजिंग गेम के माध्यम से नवाचार प्रस्तुत किया। उच्च प्राथमिक स्तर पर खुशनुमा बानो उच्च प्राथमिक विद्यालय मलाक चौधरी द्वितीय स्थान पर रहीं जिन्होंने संख्या रेखा एवं एलसीएम - एचसीएफ पर वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किया। तृतीय स्थान पर रुचि सिंह, प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर सोरांव रहीं जिन्होंने सामुदायिक सहभागिता एवं एक्सपोजर विजिट के माध्यम से अपना नवाचार प्रस्तुत किया। सभी विजेताओं को बीईओ सुमन मिश्रा द्वारा प्रमाणपत्र एवं शुभकामनाएँ प्रदान की गईं। उन्होंने कहा कि नवाचार ही शिक्षा की आत्मा है, जब शिक्षक अपने प्रयोग साझा करते हैं तो पूरा ब्लॉक सीखने की प्रयोगशाला बन जाता है। कार्यक्रम के संचालन में एआरपी विपिन पांडेयय एवं एआरपी रीता शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

यह आयोजन डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रसाद एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

न्यूज झरोखा

बृहदारण्यक उपनिषद् कथा में आत्मसुख का संदेश – 'सच्चा सुख आत्मज्ञान में ही निहित'

प्रयागराज। चिन्मय मिशन प्रयागराज के तत्वाधान में आयोजित बृहदारण्यक उपनिषद् कथा में पूज्य स्वामी अभेदानंदजी ने आत्मसुख और सच्चे आनंद के रहस्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिस कर्म से चित्त में मधुरता, क्षमा और समरसता न बढ़े, ऐसा कर्म नहीं करना चाहिए। किसी भी कार्य का प्रयोजन तभी सार्थक होता है जब उससे जीवन में

निर्भयता, प्रसन्नता और उत्साह का संचार हो। यदि किसी कर्म के परिणामस्वरूप भय, दुःख या ग्लानि उत्पन्न हो, तो वह कर्म त्याज्य है। स्वामीजी ने कहा, बिना प्रयोजन के किसी की भी प्रवृत्ति नहीं होती। प्रयोजन ही हर कर्म का आधार है। उन्होंने समझाया कि यह शरीर पंचमहाभूतों से बना है, इसलिए इसे जगत की भौतिक वस्तुओं की आवश्यकता होती है, परंतु मन की समस्या और उसका समाधान भौतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक होता है। मन में सुख-दुःख, राग-द्वेष जैसी भावनाएँ वस्तुओं पर नहीं, बल्कि व्यवहार, संबंध और संवाद पर निर्भर करती हैं। उन्होंने बताया कि सुख सुविधा से भिन्न है। सुविधा अधिक होने पर भी व्यक्ति दुखी रह सकता है, जबकि सुविधा के अभाव में भी आत्मसुख संभव है। उन्होंने सुख के दो प्रकार बताए। नैमित्तिक (आगन्तुक) सुख, जो किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति पर निर्भर करता है और क्षणिक होता है, तथा स्वाभाविक (आत्मसुख), जो अपने भीतर से उत्पन्न होता है और स्थायी होता है। स्वामी अभेदानंदजी ने कहा कि आत्मसुख प्राप्त करने का एकमात्र उपाय आत्मज्ञान है। जब मनुष्य आत्मा का चिंतन, मनन और ध्यान करता है, तब वह सच्चा आनंद प्राप्त करता है। आत्मा को जानने वाला व्यक्ति समस्त ज्ञान का अधिकारी बन जाता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर उपनिषद् के गूढ़ रहस्यों को आत्मसात किया और आत्मसुख की अनुभूति प्राप्त करने का संकल्प लिया।

सहकारी संघ लिमिटेड जसरा की जमीन का तहसील प्रशासन द्वारा कराया गया सीमांकन

जसरा। उप जिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम के निर्देशानुसार सहकारी संघ लिमिटेड जसरा की जमीन का तहसील प्रशासन द्वारा सीमांकन कराया गया था। सहकारी संघ लिमिटेड जसरा की जमीन

जसरा बाजार में रेलवे स्टेशन के समीप स्थित है। जिसकी कीमत करोड़ों में है। पिछले कई वर्षों से देखरेख के अभाव में लोगों ने कब्जा कर लिया था । सहकारी संघ जसरा के पदाधिकारियों एवं कर्मचारी के साथ जब राजस्व की टीम मौके पर सीमांकन कार्य करने पहुंची तो लोगों में हड़कंप मच गया। दर्जनों की संख्या में लोग मौके पर जुट गए। वहीं राजस्व विभाग की टीम ने लगभग तीन बिस्वा जमीन का सीमांकन संघ के पक्ष में करके अधिकारियों को अवगत कराया। वहीं साक्षी के रूप में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों से हस्ताक्षर भी कराया गया। इस अवसर पर आधा दर्जन लेखपाल मौजूद रहे। मौके पर जिला सहकारी बैंक प्रयागराज के डायरेक्टर अनिल कुमार मिश्रा, अपर जिला सहकारी अधिकारी गिरीश चंद्र मौर्य, एडीओ कोऑपरेटिव मनेंद्र कुमार, लेखपाल संदीप कुमार, सचिव विजय राज, राजस्व निरीक्षक सुभाष चंद्र पांडेय, राज जी पाल, अनिल शुक्ला, ज्ञानेन्द्र पंडित,प्रमोद कुमार यादव, धर्मेंद्र कुमार, विशंभर नाथ सिंह, संदीप कनौजिया, अर्जुन शुक्ल, नागेंद्र मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

राजा जी खजनवा दे द। रानी जी गहनवां दे द....

जंघई। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जीवन गाथा श्रीराम कथा की अमृत वर्षा का आयोजन 29 मार्च से 6 अप्रैल तक कथा स्थल देवबरा धाम, पिपरी, धनूपुर प्रयागराज में आयोजित किया गया है। जिसमें सुप्रसिद्ध कथावाचक प्रेमभूषण जी

महाराज के कृपापात्र अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा की अमृत वर्षा करेगें। राजन जी महाराज की होने वाली कथा के लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इन तैयारियों में कथा स्थल पंडाल, टेंट, और अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं। कथा के लिए एक विशेष फायर-प्रूफ टेंट तैयार करवाया जाएगा जो 9 दिनों तक चलने वाली कथा के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है। राजन जी महाराज की यह कथा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखती है, जिसमें वे भक्ति की महत्ता पर प्रकाश डालेंगे। देवबरा धाम निवासी कार्यक्रम संयोजक राधे मोहन पांडेय ने मुंबई मीरा भायंदर में शिक्षा सम्राट लल्लन तिवारी से उनके ऑफिस में मुलाकात किया और रामकथा के लिए आमंत्रित किया, आमंत्रण स्वीकार करते हुए लल्लन तिवारी ने कथा में एक दिन आने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अरुण तिवारी, भाजपा नेता प्रदीप पांडेय, विनीत मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

क्राइस्ट स्कूल के प्रिंसिपल डॉ एलेक्स बोवाज को बेस्ट प्रिंसिपल ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया

प्रयागराज। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व और अद्भुत योगदान के लिए क्राइस्ट स्कूल, फूलपुर प्रयागराज के प्रिंसिपल डॉ. एलेक्स बोवाज को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2025-बेस्ट प्रिंसिपल ऑफ द ईयरह्व से सम्मानित किया गया है। प्रतिष्ठित संस्थान आईटीओ - इंडियन टैलेंट ओलंपियाड, देश के अग्रणी ओलंपियाड संगठनों

में से एक है। 2013 में स्थापित,यह 42,511+ स्कूलों से जुड़ा होने पर गर्व महसूस करता है। इसने 1 करोड़ से ज्यादा छात्रों का नेटवर्क बनाया है, 2,00,000+ कक्षा के टॉपर्स को मान्यता दी है और 20,000+ छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत की प्रथम महिला आईपीएस अधिकारी एवं पूर्व उपराज्यपाल (पुदुच्चेरी) डॉ. किरण बेदी, तथा भारत की प्रसिद्ध बैडमिंटन स्टार एवं ओलंपिक पदक विजेता सायना नेहवाल द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार ग्रहण करते हुए डॉ. बोवाज ने कहाः"यह सम्मान समर्पण,सेवा और टीमवर्क का परिणाम है। मेरे सहयोगी शिक्षकगण, छात्र और अभिभावक ही इस उपलब्धि के वास्तविक भागीदार हैं।"

देखि सुदामा की दीन दशा करुणा करिके करुणानिधि रोए...

जंघई। श्रीमद्भागवत कथा महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ सप्ताह के समापन दिवस पर गुवाली गांव में कथावाचक वैदेही चरण चंचरीक आचार्य राघवेंद्र जी महाराज श्रीधाम वृंदावन द्वारा शुक्रवार को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष का वर्णन किया गया। विगत सात दिनों तक भगवान श्रीकृष्ण के वात्सल्य प्रेम के अलावा उनके द्वारा किए गए विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर-के महाराज ने वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के समापन दिवस पर महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की सर्वोपरी लीला एवं सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष का वर्णन करके लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया। भागवत कथा में आस-पास गांव

के अलावा दूर दराज से आए काफी संख्या में महिला-पुरूष भक्तों ने साप्ताहिक कथा का आनंद उठाया सात दिनों तक क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय रहा। सुदामा चरित्र में भगवान श्रीकृष्ण के बाल सखा सुदामा एक निर्धन ब्राह्मण थे, अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे गरीबी के बावजूद भी वे हमेशा भगवान के ध्यान में रहते थे जब सुदामा की पत्नी सुशीला ने उन्हें द्वारका जाकर श्रीकृष्ण से मदद मांगने को कहा, तो सुदामा वहां गए और द्वारिकाधीश के महल का पता पूंछा और महल की ओर बढ़ने लगे तो द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया, द्वारपालों की सूचना पर श्रीकृष्ण पहुंचे और गले लगाकर सिंहासन पर बिठाया और उनके चरण आंसुओं से धोए और सभी पटरानियां सुदामा से आशीर्वाद लेती हैं सुदामा जी विदा लेकर अपने घर लौटते हैं और भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं। परीक्षित मोक्ष प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई कथा सुनने के बाद राजा परीक्षित के मन से मृत्यु का भय निकल गया तक्षक नाग ने राजा परीक्षित को डंस लिया, लेकिन कथा सुनने के कारण राजा परीक्षित भगवान के परमधाम को पहुंच गए कथा के पश्चात आरती प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान सावित्री देवी हृदय नारायण त्रिपाठी, कार्यक्रम संयोजक सुरेश त्रिपाठी, विजय त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, ठाकुर प्रसाद त्रिपाठी, सतीश त्रिपाठी, मनीष, अभिषेक, आदर्श, अभिनव, अंबुज, आर्यन, अभिनंदन एवं कथा श्रोताओं में सुभाष नारायण त्रिपाठी, मुन्ना उपाध्याय, मुन्ना पांडेय, विजय शंकर तिवारी, दिनेश पांडेय, राजा पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बिशप हार्टमन एकेडमी में बच्चों प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया नया सन्देश

विद्यालय सिर्फ ज्ञान का मंदिर नहीं एक अच्छा इंसान बनाना : बिशप लुइस मसकरैनहस

अखंड भारत संदेश

थरवई। शुक्रवार को बिशप हार्टमन एकेडमी हार्टमनंज नंबर गोमती स्थित विद्यालय में वार्षिकोत्सव जिसका मुख्य उद्देश्य था उज्जवल भविष्य के लिए कार्यक्रम में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन में प्रस्तुति दी. जिसमें नाटक, गीत और एकांकी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवन में शिक्षा के महत्व को उजागर किया गया। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों की प्रस्तुतियां से तालियां गूंजती रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों को प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र

देकर सम्मानित किया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गेस्ट ऑफ ऑनर फादर रिजिनाल्ड ने अपने संबोधन में जीवन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया और बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह सीढ़ी है जिसके सहारे जीवन में सफलता की बुलंदियों तक पहुंचा जा सकता है। बच्चों को एक लक्ष्य निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत करने का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि बिशप लुईस मसकरैनहस ने अपने संबोधन में कहा कि हर विद्यालय का वार्षिकोत्सव उसका दर्पण है। बच्चों के हुनर और अनुशासन की बहुत तारीफ की और कार्यक्रम की बहुत सराहना भी की। उन्होंने कहा 1968 में एक छोटा हिंदी माध्यम का स्कूल प्रारंभ हुआ जो 2010 में एक अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय होने का निर्णय लिया जो अब सफल साबित होते हुए संचालित हो रहा है। जहां पर शिक्षा के साथ -.साथ खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य किया। आज इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक उज्जवल भविष्य के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनाना है। बच्चों ने कार्यक्रम में पंचतत्व अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी ,आकाश मिलकर प्रकृति और मानव शरीर का निर्माण करते हैं जिसे यह संदेश दिया कि ये प्रकृति के पांच प्रमुख तत्व माने जाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर, मूक बच्चों को भी शिक्षा में आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए , कंप्यूटर कक्ष व हर कक्षाओं में अनुशासन, गुरुकुल से गूगल तक शिक्षा पहुंची, मानव की शारीरिक क्रियाओं, जंक का फूड आदि पर नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने मधुर मधुर प्रस्तुतियां दी। सानवी साहू ने सभी कार्यक्रमों की प्रशंसा की । बिशप हार्टमन एकेडमी स्कूल की तीन टॉपर्स रहीं शिवांगी पाल 92.66%, दिशा सिंह 92.4 %, संस्कृति सिंह 94.4 % को स्मृति चिह्न के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रहे फादर विलियम स्टेनली मथायस, स्कूल की प्रधानाचार्य फादर अल्बर्ट प्रवीन लोबो, सिस्टर अर्चना, कार्यक्रम का संचालन आरती वीना, सुशील व गोर्डन, मो. जावेद संगीत संचालन देविड आदि।

चलती क्रेटा कार में लगी आग, धमाकों से मचा हड़कंप, चालक ने कूदकर बचाई जान

अखंड भारत संदेश

शास्त्री ब्रिज के पास धधकती क्रेटा कार, आग की लपटों ने कुछ ही मिनटों में गाड़ी को राख में बदल दिया

प्रयागराज। प्रयागराज के शास्त्री ब्रिज के पास शुक्रवार शाम बड़ा हादसा टल गया जब चलती क्रेटा कार अचानक आग की लपटों में घिर गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी रोककर समय रहते खुद को बचा लिया। कुछ ही मिनटों में कार जलकर खाक हो गई, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

शुक्रवार शाम शास्त्री ब्रिज के पास अलोपी मंदिर के समीप उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक चलती क्रेटा कार में अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज रफ्तार में पुल की ओर बढ़ रही थी तभी उसमें से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही पलों में आग की लपटें निकलने लगीं। कार सवार चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को पुल के किनारे रोक दिया और कार से कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते कार में तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी और पूरी गाड़ी कुछ ही मिनटों में जलकर राख हो गई। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ समय के लिए पुल पर यातायात ठप हो गया और लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। कुछ ही देर में कर्नलगंज पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी कार जलकर नष्ट हो चुकी थी।

पुलिस ने जाम हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने के दौरान कई बार तेज धमाके हुए जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने कहा कि चालक की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

फरार पटाखा कारोबारी ने कोर्ट में किया सरेंडर, करोड़ों की ठगी का है आरोप

प्रयागराज। फरार पटाखा कारोबारी मोहम्मद कादिर ने कोर्ट में किया सरेंडर करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में फरार पटाखा कारोबारी कादिर ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस को चकमा देकर कादिर कोर्ट में हाजिर हो गया। उसके खिलाफ अदालत ने वारंट जारी किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए इसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन राहत न मिलने पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का यह आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। देश की शीर्ष अदालत ने भी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद इसने कोर्ट में समर्पण कर दिया। पटाखा कारोबारी के खिलाफ शाहगंज थाना समेत कई थानों में रुपये दोगुना करने का लालच देकर रकम हड़पने का मुकदमा दर्ज है। वही वादी अब्दुल शाहिद ने आरोप लगाया है कि कादिर ने अपने प्रभाव और पहचान का इस्तेमाल करते हुए ठगी की साजिश रची और सैकड़ों लोगों से मोटी रकम वसूली।

न्यूज झरोखा

एटीएम में छेड़छाड़ कर रहा युवक धराया, साथी फरार

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के छतनाग रोड पर स्थित एक एटीएम में छेड़छाड़ करते हुए एक युवक को लोगो ने पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार होने में कामयाब रहा। शुक्रवार की रात यह घटना छतनाग रोड स्थित एटीएम पर हुई। बताया जाता है कि दो युवक एटीएम के अंदर छेड़छाड़ कर रहे थे। इसी दौरान आस-पास मौजूद लोगों की नजर उन पर पड़ी। लोगों ने तत्काल दोनों को घेरने की कोशिश की। घिरता देख एक युवक मौका पाकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकलने में सफल रहा। हालांकि दूसरा युवक लोगों की पकड़ में आ गया। गुस्साए लोगों ने पहले पकड़े गए युवक की जमकर धुनाई की। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ के कब्जे से युवक को छुड़ाकर हिरासत में लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़ा गया युवक हंडिया का रहने वाला है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

वार्षिक संगीत कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह

नैनी। नैनी सेंट जॉन्स कोएड स्कूल में वार्षिक संगीत कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण का पहला दिन मनाया गया. इस कार्यक्रम में क्लास 5 तक के बच्चों को पुरस्कार वितरण और वार्षिक संगीत कार्यक्रम किया गया छात्रों को मंच पर प्रदर्शन करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। और वे टीम वर्क कौशल दिखाया. स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। यह कार्यक्रम स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया, जिसे रंग-बिरंगे बैनरों और गुब्बारों से खूबसूरती से सजाया गया था। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने नृत्य, नाटक और संगीत जैसे विविध कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्रिंसिपल रयान इनिस, मुख्य अतिथि अनुपम लाल, रॉबिन डिसूजा, जीन इनिस, रोजर रेबिएरो, संदेशसिर, टायर्ल जेम्स, रत्ना गुप्ता, डीओन रेबेरो, एमबीजोहरी, बैशाखी, नलिनी शुक्ला, माया शर्मा, अजय नायक, खान, आनंद द्विवेदी, हिमांशु, नवीन, कुशवाहा, सोनिका, अमित रॉय, साहबाज, राकेश, मर्सी रॉबिन, अंजलि रॉय. सुधांशु शर्मा एवं अभिभावक शामिल थे।

नैनी में भाजपा कार्यकताओं की बैठक संपन्न हुई

नैनी। नैनी क्षेत्र के चक रघुनाथ में जय कृष्ण तिवारी के भाजपा कार्यालय पर बी. एल. ओ 2 की बैठक वोटर लिस्ट को लेकर संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से नैनी मंडल अध्यक्ष रजत दुबे, मंडल महामंत्री ओम प्रकाश मिश्रा, विजय राय, जय कृष्ण तिवारी, समर सिंह, विनोद जायसवाल, श्यामधर मिश्रा, राकेश गुप्ता और अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने राजापुर में निर्माणाधीन 90 एमएलडी एसटीपी निर्माण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को संगम सभागार सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-डी के अन्तर्गत राजापुर में निमार्णाधीन 90 एमएलडी एसटीपी निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। कार्य की भौतिक प्रगति के बारे में जानकारी लिए जाने पर अधिशासी अभियंता सुरेन्द्र परमार के द्वारा बताया गया कि कार्य लगभग 41 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा कार्य की प्रगति पर्ट चार्ट के अनुसार लगभग 03 माह पीछे चल रहा है। जिसपर जिलाधिकारी ने श्रमिकों की संख्या व शिफ्ट की संख्या को बढ़ाकर कार्य को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना में 90 एमएलडी एसटीपी निर्माण कार्य, आई एण्ड डी एवं इंटरसेप्टर कार्य तथा 15 वर्षो का रख-रखाव सम्मिलित है, जिसकी अनुबंध की लागत रुपए 309.73 करोड़ (निर्माण रुपए 168.3 करोड़ और अनुरक्षण एवं रख-रखाव रुपए 141.70 करोड़) है। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एण्ड इंडस्ट्रीज लि0 फर्म के द्वारा कार्य किया जा रहा है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया सजीव प्रसारण

प्रयागराज। राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों के द्वारा सभागार में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति विजय शर्मा, जिला विकास अधिकारी जी0पी0 कुशवाहा, उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सहायक निदेशक सूचना इन्द्रमणि पाण्डेय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अशोक कुमार गौतम, पाण्डुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर, प्राविधिक सहायक राकेश वर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके साथ ही जनपद के कार्यालयों/विद्यालयों में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 07 नवम्बर, 2025 से 07 नवम्बर, 2026 तक चार चरणों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भव्यतापूर्ण ढंग से किया जायेगा, जिसमें प्रथम चरण में 07 नवम्बर 2025 से 14 नवम्बर 2025 तक द्वितीय चरण 19 जनवरी 2026 से 26 जनवरी, 2026 तक, तृतीय चरण 07 अगस्त 2026 से 15 अगस्त-2026 तक एवं चतुर्थ चरण 01 नवम्बर 2026 से 07 नवम्बर-2026 तक आयोजित होगा।

डीएम ने फूलपुर स्थित खाद्य विभाग के क्रय केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को फूलपुर स्थित खाद्य विभाग के क्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण करते हुए मार्केटिंग इंस्पेक्टर एवं धान क्रय केन्द्र प्रभारियों को स्पष्ट रूप से हिदायत देते हुए कहा है कि किसानों को धान बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने डिप्टी आरएमओ को निर्देशित करते हुए कहा है कि किसानों के धान खरीद एवं उनके मूल्य के भुगतान में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने क्रय केन्द्र प्रभारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा है कि यदि किसी भी धान क्रय केन्द्र पर धान बेचने एवं भुगतान में किसी भी प्रकार की शिकायत पायी गयी, तो सम्बंधित केन्द्र प्रभारी की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी साथ ही साथ सम्बंधित मार्केटिंग इस्पेक्टर की भी जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।निरीक्षण के समय केन्द्र पर स्वतंत्र कुमार विश्वकर्मा, विपणन निरीक्षक, उपस्थित मिले। केन्द्र पर 02 कृषकों से तद्दिनांक 07.11.2025 तक कुल 120.80 कुं0 की धान खरीद की गई है। केन्द्र प्रभारी द्वारा मौके पर एक कृषक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, की धान की तौल करायी जा रही थी। जिलाधिकारी के द्वारा क्रय केन्द्र पर धान की आवक कम होने के बारे में पूछे जाने पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी के द्वारा बताया गया कि असमय वर्षा हो जाने के कारण क्रय केन्द्रों पर अभी धान की आवक कम है। क्रय केन्द्र से कस्टम हायरिंग हेतु मिलो के सम्बद्धीकरण के बारे में पूछे जाने पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में कार्यरत सभी मिलों की दूरी पोर्टल पर फीड 141 क्रय केन्द्रों से दूरी भर कर पोर्टल पर लॉक करते हुए प्रमाण पत्र प्रेषित कर दिया गया है एक से दो दिन में क्रय केन्द्र मिलों का सबद्धीकरण हो जायेगा।

जिलाधिकारी ने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को आगामी 02 दिवस के अन्दर सभी केन्द्रों पर खरीद प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करने तथा अनुमोदित क्रय केन्द्रों के सापेक्ष शत-प्रतिशत केन्द्र सक्रिय किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने जनपद में सभी क्रय केन्द्रों पर पर्याप्त बोरों की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए है। कहा कि यदि क्रय केन्द्रों पर बोरे की कमी हो तो उनके स्तर से तत्काल उच्चाधिकारी को पत्र प्रेषित किया जाय। उन्होंने सभी क्रय केन्द्रों पर धान के सुरक्षित भण्डारण हेतु क्रेट्स/त्रिपाल आदि की पर्याप्त व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने विगत वर्ष के सापेक्ष वर्तमान वर्ष में खरीद कम न होने पाये। उन्होंने अपर जिलाधिकारी आपूर्ति द्वारा प्रतिदिन धान खरीद एवं क्रय केन्द्र की समीक्षा करने के लिए कहा है। उन्होंने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि कृषकों से संपर्क कर तीव्रगति से धान खरीद के साथ कृषकों का पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से भुगतान भी कराया जाना सुनिश्चित करें। केन्द्र पर कोई अनियमितता प्रकाश में नहीं आयी। इस अवसर पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी अविनास चन्द्र अग्रवाल, जिला सांख्यिकी अधिकारी संतोष कुमार के साथ अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मेजा के पालपट्टी में अवैध बालू खनन माफियाओं का साम्राज्य पुलिस और प्रशासन है मौन

पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से बेखौफ बालू माफिया दिन-रात कर रहे हैं करोड़ों का गोरखधंधा,पालपट्टी टमस नदी का खतरे में है अस्तित्व

(चन्द्रमा प्रसाद/अतुल तिवारी)

मेजा। यमुनापार के मेजा क्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से इन दिनों अवैध खनन का धंधा चरम पर है। विकास खंड मेजा का पालपट्टी रेंगा कोटर घाट इस समय बालू माफियाओं का गढ़ बन चुका है। इस घाट पर दिन- रात भारी मशीनों से बालू निकाली जा रही है और खनन विभाग, पुलिस और प्रशासन की आंखों के सामने यह सबकुछ हो रहा है, मगर कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा पसरा है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि अवैध बालू खनन का यह कारोबार ऊपर से नीचे कमीशन पर चल रहा है। अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी मात्रा में अवैध खनन संभव नहीं है।

- बालू से लदे ट्रक थानों के सामने से गुजरते हैं, कोई रोकने वाला नहीं -

पालपट्टी रेंगा कोटर घाट से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रक और ट्रैक्टर बालू लादकर निकलते हैं। ये वाहन कौंधियारा थाना, जारी चौकी, और बारा थाना क्षेत्र के गन्ने चौकी से होकर गुजरते हैं।

मजे की बात तो यह है कि इतने बड़े पैमाने पर परिवहन होने के बावजूद किसी वाहन को न रोका जाता है, न चालान किया जाता है। सवाल है कि आखिर बालू खनन के इस खेल में कौन है वो अदृश्य हाथ जो इन बालू माफियाओं की ढाल बना हुआ है?

पैसों का खेल, भ्रष्टाचार की जड़ में बैठा खनन विभाग

उल्लेखनीय है कि खनन विभाग को अवैध खनन की पूरी जानकारी है फिर भी इसकी रोकथाम के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, खनन और पुलिस विभाग के बीच मोटी रकम का लेनदेन होता है,जिसके बाद ट्रकों को खुली छूट मिल जाती है। अवैध खनन का यह पैसा बंदरबांट के रूप में ऊपर तक पहुँचता है, इसलिए किसी की कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं होती है।

टमस नदी का सौंदर्य नष्ट, पर्यावरण पर संकट

पालपट्टी रेंगा कोटर घाट का अवैध खनन सिर्फ कानून तोड़ना नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सीधा खिलवाड़ है। दिन-रात बालू निकालने से नदी की धाराएं बदल रही हैं, किनारे कट रहे हैं और जलजीव बेहद संकट में हैं। गांव के किसानों का कहना है कि पहले नदी का पानी खेतों तक पहुंचता था, अब सिर्फ गड्ढे और धूल बची है।

राजस्व को करोड़ों का नुकसान सरकार की नीतियों की उड़ रही धज्जियां

गौरतलब है कि बड़े पैमाने पर हो रहे इस खनन से प्रदेश सरकार को हर दिन लाखों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि परमिट से होने वाला वैध खनन बेहद सीमित है, मगर जमीनी हकीकत में अवैध खनन दसगुना अधिक चल रहा है। ट्रक बिना रॉयल्टी, बिना परमिट सड़कों पर फरार्टे से दौड़ रहे हैं, और प्रशासन अपनी आंखें बंद किए बैठा है।

सवाल वही आखिर किसके संरक्षण में चल रहा यह अवैध कारोबार

आखिरकार जब प्रशासन, पुलिस और खनन विभाग को सबकुछ पता है, तो कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या अधिकारी खुद इस गोरखधंधे के हिस्सेदार हैं? या फिर बालू माफिया इतने शक्तिशाली हो चुके हैं कि शासन की पकड़ से बाहर निकल गए हैं? इन सवालों को लेकर स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि योगी शासन में यह अवैध कारोबार सिर्फ अवैध खनन नहीं, बल्कि प्रशासन की नाकामी और भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण है। जिसके बारे में अब आम जनता यह सवाल पूछ रही है कि कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ प्रशासन कब जागेगा? क्योंकि हर दिन दर्जनों ट्रक बालू से लदे निकलते हैं, लेकिन संबंधित विभागों की गाड़ियां नहीं निकलतीं। स्थानीय लोगों का मानना है कि खनन माफियाओं का यह खेल तब तक नहीं रुकेगा जब तक ऊपर बैठे भ्रष्ट अधिकारियों पर बुलडोजर बाबा का शिकंजा नहीं कसेगा। लोग मांग है कि मेजा, घूरपुर और कौंधियारा क्षेत्र में सीबीआई या एसटीएफ की निगरानी में कार्रवाई की जाए, ताकि इस अवैध कारोबार के रैकेट का पदार्फाश हो सके और पालपट्टी रेंगा कोटर घाट सिर्फ एक जगह नहीं, यह प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार की तस्वीर है। प्रशासन की चुप्पी, विभागों की सांठगांठ और माफियाओं की ताकत तीनों मिलकर कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। अब जनता का एक ही सवाल है क्या यूपी में बालू माफिया योगी प्रशासन से ज्यादा ताकतवर हो गए हैं?

आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल के सिद्धांतों पर चलना है बेहद अहम : राजेश्वरी

लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि देते लोग

मेजा। विकास खण्ड मेजा के सभागार में गुरुवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह कार्यक्रम ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा प्रसाद मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कमिक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा यमुनापार जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी प्रसाद तिवारी रहे। इस अवसर पर उन्होंने लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन शैली पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने के लिए हम सभी निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर सरदार बल्लभ भाई पटेल के सिद्धांतों और उनके बताए हुए मार्ग पर चलने की जरूरत है। इसी क्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष रूप नारायण मिश्र और कई अन्य गणमान्य लोगों ने जयंती समारोह कार्यक्रम में अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर पंकज राय, शेषमणि शुक्ल, भगवत शुक्ल, संजय तिवारी, गोपाल सिंह, विनीता विश्वकर्मा, शिव कुमार शुक्ला, राजेश कुमार धनगर,मयंक शुक्ला, राम भवन पाल, बारकेश्वर दुबे तथा धीरज तिवारी आदि के अलावा कई अन्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन गड़ेवरा प्रधान एवं विकास पुरुष अनिल शुक्ला ने किया।

छात्राओं में आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का माध्यम है मीना मंच पावर एंजेल : वरुण मिश्रा

बीआरसी उरुवा में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन के बाद प्रमाण पत्र लेते शिक्षक और शिक्षिकाएं

मेजा। ब्लॉक संसाधन केंद्र उरुवा के सभागार में स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर एक्टिविटी के अंतर्गत मीना मंच व पावर एंजेल सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता तथा जीवन कौशल शिक्षा विकसित करने व सेल्स एस्टीम के क्रियान्वयन हेतु राज्य परियोजना विभाग समग्र शिक्षा के तत्वावधान में राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त संदर्भदाताओं द्वारा दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई। प्रशिक्षण सन्दर्भदाता के रूप में रमेंद्र कुमार सक्सेना तथा आभा रानी श्रीवास्तव ने मीना मंच एवं पावर एंजल की सुगमकताओं को दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में कुल 38 सुगमकताओं ने प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा की अध्यक्षता में और उनके कुशल मार्गदर्शन में प्रशिक्षण कार्यशाला सफलता पूर्वक संपन्न हुई। बीईओ उरुवा ने कहा कि मीना मंच और पावर एंजल जैसी पहलें छात्राओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विभाग समय-समय पर उनके प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करता रहेगा। प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतिम दिन द्वितीय दिवस पर समग्र शिक्षा प्रयागराज के यूनिसेफ की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में मो. कमर ने प्रशिक्षण में उपस्थित रहते हुए सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रमाण-पत्र वितरित किया। प्रशिक्षण कार्यशाला बीआरसी उरुवा के लेखाकार कृष्ण कुमार शुक्ला की देखरेख में संपन्न हुआ। उक्त अवसर पर चित्रा शुक्ला, दीपिका शुक्ला, राजवती, सुमनलता, रंजना, सरस्वती द्विवेदी, मंगला प्रसाद, कृष्णकांत सिंह, ओमप्रकाश द्विवेदी, प्रतिभा अवस्थी, सुभाष चंद्र सिंह, सुभ्रा वर्मा, जितेंद्र यादव, अनिल कुमार सिंह, सुनील सिंह, सुनीता सिंह, मंजूश्री तथा मनसा देवी आदि के अलावा शिक्षक एवं सुगमकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा प्रस्तावित साहित्य तीर्थ का भूमि पूजन 10 नवंबर को

प्रयागराज। साहित्यकारों के साथ विचार विमर्श के बाद महापौर ने लिया निर्णय दिनांक 10 नवंबर 2025 को अरेल, नैनी, स्थित साहित्य तीर्थ का भूमि पूजन पूरी भव्यता के साथ दोपहर 1:00 बजे से प्रयागराज के गणमान्य साहित्यकारों के सानिध्य में किया जाएगा।साहित्य तीर्थ भूमि पूजन के पूर्व शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय स्थित महापौर कक्ष में उपस्थित प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने महापौर उमेश चंद गणेश केसरवानी को अपने-अपने मूल्यवान विचारों से अवगत कराया, जिसको महापौर ने साहित्य तीर्थ में अंकित करने और उसे विस्तृत भाव से बनाने का निर्णय लिया। साहित्य तीर्थ की कल्पना को महापौर ने साहित्यकारों के बीच रखते हुए कहा कि प्रयागराज की प्राचीन धरोहरों एवं साहित्यिक परिकल्पना को साकार करने हेतु महर्षि वाल्मीकि से लेकर प्रयागराज से जुड़े प्रख्यात रचनाकारों की प्रतिमाएं और उनका संक्षिप्त परिचय सहित उनकी प्रतिमा को स्थापित कर अंकित किया जाएगा। समय-समय पर साहित्यिक अनुष्ठान एवं वर्ष भर में एक बार भव्य आयोजन की कल्पना को भी मूर्ति रूप दिया जाएगा। उन्होंने साहित्य तीर्थ के भूमि पूजन पर प्रयागराज के सभी साहित्यकारों एवं रचनाकारों को आह्वान किया कि उक्त पुनीत कार्य बढ़-चढ़कर का हिस्सा लें और प्रयागराज को पुनः साहित्यिक राजधानी बनाने में अपना अमूल्य योगदान दे। महापौर जी द्वारा आयोजित विचार विमर्श गोष्ठी में डॉक्टर रवि नंदन सिंह, डॉ आभा मधुर श्रीवास्तव, संजय पुरुषार्थी, शैलेंद्र मधुर, श्लेष गौतम, जनकवि प्रकाश, प्रीता बाजपेई, जितेंद्र मिश्र जलज, अमित जौनपुरी, योगेश ओझा झमाझम, संतोष शुक्ला समर्थ, नजर पांडे, सहित अन्य रचनाकार एवं साहित्यकार गण मौजूद रहे।

जमीन पर अवैध कब्जा और अन्याय के खिलाफ जेडीयू की शालिनी सिंह ने बुलंद की आवाज

कहा- प्रशासनिक अमला की मिलीभगत से महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पिंकी प्रजापति की जमीन पर अवैध कब्जा हुआ तो करेंगे बड़ा आंदोलन

जेडीयू उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल

मेजा। जनता दल यूनाइटेड महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस पूरे प्रकरण में कुछ कर्मचारी और पुलिसकर्मियों के भी शामिल होने आरोप लगाया गया है जो महिलाओं को धमकाने, परेशान करने और जबरन जमीन कब्जाने की कोशिश में लगे हुए हैं। इस संबंध में जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और शहर कोतवाल बाँदा को यह साफ चेतावनी देते हुए कहा है कि अब यह सब बर्दाश्त नहीं होगा अगर लड़ना है तो सच के मैदान में आना होगा कानून के आड़ में आमजनता की प्रताड़ना और उनकी जमीनों पर कब्जा करवाना योगी सरकार के जीरो टॉलरेंस नीति का खुला उल्लंघन है। उन्होंने आगे कहा कि जो अधिकारी नेता या विधायक यह सोच रहे हैं कि जनता दल यूनाइटेड के पदाधिकारियों की जमीन और उन्हें प्रताड़ित कर उनकी पार्टी को खत्म कर देंगे तो सुन लो, तुम खत्म हो सकते हो पर जदयू कभी खत्म नहीं होगी। क्योंकि जदयू नीतीश कुमार की समाजवादी विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है, जिसकी जड़ें जनता के बीच काफी मजबूत हैं। जेडीयू की आवाज सच्चाई और न्याय के लिए उठती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासनिक अमला की मिलीभगत से हमारी जमीन पर अवैध कब्जा हुआ तो हम चुप नहीं बैठेंगे और पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बाँदा में शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक आंदोलन करूंगी। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा पुलिस जितने मुकदमे लिखने हों लिख देना, जितनी बार जेल भेजना हो भेज देना, लेकिन गलत को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। मैं अशोक लॉट बांदा में अनशन पर बैठूंगी और गिरफ्तारी देने तक संघर्ष करूंगी। यह लड़ाई किसी व्यक्ति की नहीं,बल्कि यह लड़ाई सत्य, संविधान और सम्मान की लड़ाई है। जनता दल यूनाइटेड नीतीश कुमार की पार्टी है और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हम हर मैदान में डटकर खड़े रहेंगे।

कलेक्ट्रेट, विकास भवन व विद्यालयों में वंदे मातरम् का हुआ सामूहिक गायन

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के लेखन के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

वंदे मातरम् गीत ने हमारे देश की आजादी में स्वतंत्रता दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई : डीएम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शासन के निर्देश के क्रम में जनपद में आज बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के लेखन के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक गरिमामय एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय भावना, एकता एवं देशभक्ति के संदेश को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ, जिसकी गूंज से पूरा सभागार देशभक्ति के उत्साह से भर उठा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने 150वीं वर्षगांठ की सभी को बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में वंदे मातरम् गीत जो की बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित है की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज गर्व का दिन है कि हम सब लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् ने देश को एकता, अखंडता के सूत्र में बांधने का कार्य किया है। आजादी की लड़ाई में हमारे वीर सपूतों को याद करने का आज शुभ अवसर है। वंदे मातरम् गीत ने हमारे देश की आजादी में स्वतंत्रता दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई है, हमारे देश के वीरों ने राष्ट्रीय गीत को पढ़कर सुनकर अपने जीवन को त्यागा है। देश को गुलामी की जंजीरों से भारत को बाहर किया है। देश को आजाद कराने में आम जन तक संदेश पहुंचाने में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का बहुत बड़ा महत्व रहा है। सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि राष्ट्र की उन्नति देश की एकता और अखंडता के लिए सब मिलकर योगदान दें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) आदित्य प्रजापति सहित अधिवक्तागण व कलेक्ट्रेट के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लखनऊ लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन के सजीव प्रसारण को विकास भवन सभागार में बड़े ध्यान और श्रद्धा के साथ सुना गया। मुख्यमंत्री जी द्वारा किए गए सामूहिक गायन में भी विकास भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और पूरे समर्पण भाव से गीत का गायन किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वंदे मातरम् गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके राष्ट्रीय महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ह्लवंदे मातरम्ह्व केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारतवर्ष की आत्मा और स्वतंत्रता आंदोलन का अमर प्रतीक है। इस गीत ने देशवासियों के भीतर स्वाभिमान, एकता और आजादी के लिए संघर्ष की भावना को प्रबल किया था। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि इस गीत की भावना को अपने कार्य एवं व्यवहार में भी आत्मसात करें ताकि हम राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला विकास अधिकारी के0एन0 पांडे सहित विकास भवन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक साथ ह्लवंदे मातरमह्व का गायन कर देशभक्ति की भावना को प्रकट किया और इस ऐतिहासिक अवसर को सार्थक बनाया।इसी प्रकार जनपद के विभिन्न स्थलों, विद्यालयों में ह्यह्यवंदे मातरम्ह्ल के लेखन के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम् व राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया व मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया।

पुनरीक्षण अभियान में गणना प्रपत्र पूर्ण किये जाने में एसडीएम ने पारदर्शिता पर दिया जोर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किये जाने की कार्रवाई तेज दिखी। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा के निर्देशन में बीएलओ द्वारा अभियान के तहत घर घर सम्पर्क के जरिये मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया गया। खालसा सादात में अभियान की देखरेख करने एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने स्वयं भी निर्वाचकों को गणना प्रपत्र की प्रतियां वितरित की। वहीं एसडीएम शैलेन्द्र ने बताया कि रामपुरखास विधानसभा के कुल तीन सौ उन्तालिस मतदेय स्थलों में तीन लाख तीस हजार मतदाता पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि गणना प्रपत्र को मतदाता द्वारा सही जानकारी के साथ सम्बन्धित बीएलओ के पास जमा करना होगा। एसडीएम ने बताया कि यह कार्य चार दिसंबर तक पूर्ण किया जाएगा। उन्होने बीएलओ को भी निर्देशित किया है कि अभियान में पूरी पारदर्शिता के साथ गणना प्रपत्र को पूर्ण कराया जाना चाहिए। वही एसडीएम ने राजनैतिक दलों से भी अभियान में बीएलए के माध्यम से गणना प्रपत्र के पूर्ण कराये जाने में सहयोग पर भी जोर दिया है।

साथी की हत्या से नाराज वकीलों ने कामकाज का किया बहिष्कार

लालगंज। साथी की हत्या में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज वकीलों ने शुक्रवार को भी दीवानी तथा तहसील अदालतों का बहिष्कार किया। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश की अध्यक्षता मे हुई बैठक में न्यायिक कामकाज का बहिष्कार का वकीलों ने प्रस्ताव पारित किया। वहीं बैठक में हत्यारोपियों पर गैंगेस्टर की कार्रवाई को लेकर डीएम और एसपी को अगले सप्ताह प्रस्ताव सौपने पर सहमति बनी। सांगीपुर थाना क्षेत्र के बवरिहा पहाड़पुर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता रूद्र प्रताप पाण्डेय की हत्या को लेकर चैथे दिन भी यहां वकीलों की नाराजगी देखी गयी। अधिवक्ता साथी की हत्या को लेकर दर्ज मुकदमे मे शेष तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अभी तक न हो पाने को लेकर सांगीपुर पुलिसिया लापरवाही को लेकर खफा दिखे। बैठक का संचालन महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय व संयोजन उपाध्यक्ष आशीष तिवारी ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अम्बुज पाण्डेय, दीपक पाण्डेय, अभिषेक शुक्ल, अतुल मिश्र, आशुतोष द्विवेदी, सुमित त्रिपाठी, दुर्गेशमणि त्रिपाठी, अतुल तिवारी, नवनीत पाण्डेय, सलमान खॉन आदि अधिवक्ता रहे।

जिला पूर्ति अधिकारी ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने हेतु किया जागरूक

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने वाहन चालको में जागरूकता के दृष्टिगत नो हेल्मेट, नो फ्यूल अभियान के क्रम में आज विभिन्न पेट्रोल पम्प आउटलेट्स पर जाकर आम जनमानस को हेलमेट पहनने हेतु जागरूक किया, साथ ही पेट्रोल संचालको को निर्देशित किया कि अपने पेट्रोल पम्प पर ईंधन भरवाने आने वाले आम जनमानस को हेलमेट पहनने हेतु जागरूक करे। साथ ही साथ जनपद प्रतापगढ़ के समस्त दो पहिया वाहन चालको से अनुरोध किया कि वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करे। जनपद में नो हेल्मेट, नो फ्यूल के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता के दृष्टिगत जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा टीम सहित पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया जा रहा है वहां ईंधन भरवाने हेतु आने वाले सभी वाहन चालको को यह बताया जा रहा है कि आपका जीवन है अनमोल इस लिए वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। पेट्रोल पम्प संचालको को भी वाहन चालको को जागरूक किये जाने के दृष्टिगत सभी पेट्रोल पम्पों पर नो हेल्मेट, नो फ्यूल सम्बंधी होर्डिंग/बैनर प्रदर्शित करा दिया गया है।

अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 8 से 25 नवम्बर तक होगा खाद्यान्न का वितरण

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने बताया है कि माह नवम्बर 2025 के सापेक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 08 से 25 नवंबर तक खाद्यान्न का वितरण ई-पॉस वेइंग मशीन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। अन्त्योदय कार्डधारकों में 14 किग्रा0 गेहूँ एवं 21 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों कों प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल (कुल 05 किग्रा0) खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण उचित दर विक्रेता द्वारा किया जायेगा। खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न न प्राप्त होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 25.11.2025 को खाद्यान्न प्राप्त कर सकेगें। वितरण के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षकों से एवं विभागीय टोल फ्री नम्बर, 1800-1800-150 एवं 1967 पर शिकायत की जा सकती है।

संस्थापक जन्मदिन पर मेधावियों की मनमोहक प्रस्तुतियों व राष्ट्रपरक पंक्तियों से बंधी समां

लालगंज। वर्मा नगर स्थित यमुना प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में साहित्य सुर संगम व संस्थापक जन्मदिन समारोह में साहित्यकारों तथा मेधावियों की राष्ट्रपरक प्रस्तुतियों से सामाजिक सरोकारों को जीवन्तता मिली दिखी। संस्थापक यमुना प्रसाद यादव के जन्मदिन पर हुए भव्य समारोह का शुभारंभ बीएचयू हिन्दी विभाग की व्याख्याता डॉ0 प्रियंका सोनकर व अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु ने साहित्यकारों एवं अतिथियों के साथ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। विद्यालय के छात्र छात्राओं शालिनी, रियांशी, सलोनी, आर्या, धीरू, सोमदीप, अहम, पीयूष, आयुष, अभिनव आदि द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गान व भाव नृत्य जैसे मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों पर अभिवावकों की तालियां गूंजी। मुख्य अतिथि डॉ0 प्रियंका सोनकर ने शैक्षिक मूल्यों के संवर्धन में बालिका सशक्तीकरण पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि अटेवा प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु ने छात्र छात्राओं के ज्ञानवर्धन के लिए शिक्षकों में समर्पण बोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन छात्रा अंजली पाल व काजल सिंह ने संयुक्त रूप से किया। प्रारम्भ में प्रबन्ध निदेशक अभिषेक यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य पारसनाथ वर्मा ने शैक्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। समारोह में संयोजक कवि लवलेश यदुवंशी के संयोजन में उच्चस्तरीय काव्यपाठ के जरिये साहित्यकारो ने सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकारों की मजबूती का सार्थक संदेश दिया। बलिया की कवयत्री प्रतिभा यादव की वाणी वंदना मनमोहक दिखी। मध्य प्रदेश से आये हास्य कवि अमित शुक्ला ने हास्य के साथ सामाजिक चेतना का सशक्त संदेश दिया। बाराबंकी के गीतकार शिवकिशोर तिवारी खंजन, आगरा के पवन आगरी, दिल्ली के वरिष्ठ कवि मनवीर मधुर, मुजफ्फर नगर की प्रीति अग्रवाल की राष्ट्रीयता से ओतप्रोत पंक्तियों श्रोताओं के बीच खूब सराही गयी। संयोजक कवि लवलेश यदुवंशी ने आपरेशन सिन्दूर के शौर्य का शानदार बखान किया। संचालन इटावा के डॉ0 कुमार मनोज की विधा भी श्रोताओं को पसन्द आयी। संस्थापक यमुना प्रसाद यादव ने प्रतिभा निर्माण के क्षेत्र में संकल्पों को मजबूत बनाने के सतत अभियान की घोषणा की। सुप्रसिद्ध गायक प्रदीप गुप्ता के संगीतमयी भजनों से भी वातावरण मनमोहक दिखा। इस मौके पर गरिमा सिंह, अभयराज, अनुज, महेश बहादुर, डॉ0 संजय दुबे, रामप्रकाश यादव, राधारमण, सुनील, महिमा सिंह आदि रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने किया श्रीहनुमान रामलीला का उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

पट्टी। श्रीहनुमान रामलीला समिति द्वारा रामलीला के मंचन का उद्घाटन पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

पट्टी नगर पंचायत में स्थित रामनारायण लघु माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में 06 नवंबर से 15 नवंबर तक चलने वाली श्रीहनुमान रामलीला का मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह एवं उपजिला अधिकारी पूर्णेन्दु के साथ पूर्व मंत्री ने बृहस्पतिवार की रात्रि फीता काटकर रामलीला के मंचन का शुभारंभ किया। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के लीलाओं का मंचन अयोध्या की मशहूर टोली श्री मारुति नंदन आदर्श सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा है। आदर्श पूर्ण और गरिमामई मंचन के शुभारंभ में पूर्व कैबिनेट मंत्री के मीडिया प्रभारी विनोद पांडे पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, रामगंज ब्लॉक प्रमुख राकेश सिंह पट्टी तहसीलदार पवन सिंह अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्री हनुमान रामलीला समिति के अध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह उर्फ बुदुल सिंह एवं नगर अध्यक्ष अशोक जायसवाल रामलीला प्रबंधक बृजेश सिंह महामंत्री निर्मल श्रीवास्तव उर्फ सुधीर, सहित श्री हनुमान राम लीला समिति के सदस्य पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं उनके साथ आए अतिथियों को अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के संरक्षक रामचरित वर्मा ने किया। इस दौरान हरकेश पांडे, मृत्युंजय सिंह, सुरेश शुक्ला, सुजीत कुमार गुप्ता, आशीष तिवारी, सुरेश जयसवाल, अजीत जैन, शिव प्रकाश सोनी, गौरव श्रीवास्तव, अजय जायसवाल, प्रिंस बरनवाल, विपिन सिंह, आचार्य विष्णु दत्त, स्वतंत्र सिंह राणा, रमेश चंद सोनी, प्रमोद कुमार जायसवाल, राम प्रकाश जायसवाल, आनंद सोनी, विजय वर्मा, अतुल खंडेलवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, पंकज कुमार सिंह उर्फ राजू, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

वन्देमातरम् गीत की 150 वीं वर्षगांठ पर बच्चों ने मां भारती को किया प्रणाम

बेलखरनाथ धाम। राष्ट्र भक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण के प्रतीक वन्दे मातरम की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को उच्चतर प्राथमिक विद्यालय कांपा मधुपुर के बच्चों ने किया नमन। शुक्रवार को इस ऐतिहासिक अवसर पर विघालय के डा०विनोद त्रिपाठी ने मां भारती को नमन करते हुए वन्देमातरम गीत गाया। डा. विनोद त्रिपाठी ने कहा कि वन्देमातरम् हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित किया है।देवानन्द मिश्र ने कहा कि ह्लबंकिम चंद्र चटर्जी की कलम से जन्मा, वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं द यह हमारी आत्मा की पुकार था, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को जीवन दिया। इस मौके पर विज्ञान शिक्षक मोहम्मद शोएब, नीतू सिंह, श्वेता मिश्रा, योगिता पांडे, सुरुचि सिंह, विनीता मिश्रा, अर्चना यादव एवं पंचायत कर्मी आदि शामिल रहे।

भगवान की कथा है अमृतपान : स्वामी ओमानंद जी

प्रतापगढ़। सगरा सुंदरपुर क्षेत्र के कोठार मंगोलपुर में श्रीमदभागवत कथा को लेकर शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। समाजसेवी डा0 हरिश्चंद्र शुक्ल के संयोजन मे कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को भक्तिभाव में देखा गया। संगीतमयी श्रीमदभागवत कथा को लेकर निकली कलश यात्रा की शुरूआत पुरानी बाजार के हनुमान मंदिर से होते हुए बाबा कालेश्वर धाम व सुंदरपुर बाजार से बाबा नर्वदेश्वर धाम शिव मंदिर पहुंची। भगवान शिव के मंदिर में श्रद्धालुओं ने विधिविधान से पूजन अर्चन किया। भगवान द्वारिकाधीश के जयघोष के साथ नाचते गाते श्रीराधे भक्त कलश यात्रा को लेकर कथा स्थली पहुंचे। पहले दिन कथा में व्यासपीठ से स्वामी ओमानंद जी महराज ने कथा के महत्व को समझाया। उन्होने कहा कि भगवान की कथा का रसपान साक्षात अमृत है। संयोजिका सरोज शुक्ला व प्रतीक शुक्ल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। इस मौके पर शिवमूर्ति तिवारी, समाजसेवी संजय शुक्ल, उमेश तिवारी, बृजेश शुक्ल, अनूप त्रिपाठी, श्याम शंकर पाण्डेय, नागेन्द्र शुक्ल आदि रहे।

उधारी मांगने पर दी गई धमकी

पट्टी। कोतवाली निवासी युवक ने उधार दिए गए रुपये को वापस न देने का आरोप लगाते हुए शिकायत पट्टी कोतवाली में की है।सरसतपुर गांव निवासी रवि कुमार पुत्र हरिकेश ने शुक्रवार को पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में आरोपित किया है कि पीड़ित से ठेगुआ परसद गांव निवासी एक व्यक्ति को अहमदाबाद शहर में 19 हजार रुपए उधार लिया था। उसने बोला था कि घर चलने के बाद पैसे वापस कर दूंगा। अब पीड़ित जब उसके पास अपना पैसा वापस मांगने गया तो उक्त व्यक्ति द्वारा पीड़ित को जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भगा दिया गया। पीड़ित ने बताया कि उक्त व्यक्ति ने एलानिया धमकी दिया कि यदि दोबारा पैसा मांगने आओगे तो तुम्हें जान से मार दूंगा। पीड़ित ने पुलिस को नामजद शिकायती पत्र देते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

नवविवाहिता ने खाया जहर, हालत गंभीर

पट्टी। घरेलू कलह के चलते नव विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। यह देख परिजन उसे आनन -फनन में पट्टी सीएचसी लेकर आए जहां पर उसका इलाज चल रहा है। बिजहरा गांव निवासी रामलाल मौर्य ने बताया कि पीड़ित की छोटी बहू कोमल मौर्य आए दिन तरह-तरह की धमकी देती रहती है। शुक्रवार को दिन में वह धमकी दी कि मैं जहर खा लूंगी। परिजनों ने सोचा कि हर बार की तरह वह सिर्फ धमकी ही दे रही है। उसके बाद वह अपने कमरे में गई और जहरीला पदार्थ खा लिया। जहरीला पदार्थ खाने के बाद जब उसकी हालत बिगड़ी तो परिजन आनन-फानन में उसे इलाज हेतु लेकर सीएचसी पट्टी पहुंचे। जहां पर गंभीर हालत में महिला का इलाज चल रहा है। पीड़ित रामलाल का कहना है कि अभी शादी के महज डेढ़ वर्ष ही हुए हैं और बहू कोमल चाहती है कि पूरा परिवार उसके हिसाब से चले। इसी बात को लेकर वह आए दिन विवाद करती रहती है और धमकी देती रहती है। विवाहिता का पति रोजी रोटी के सिलसिले में मुंबई रहता है।

जानलेवा हमले के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पट्टी। दुकान से लौट रहे दुकानदार को मुकदमे बाजी की पुरानी रंजिश में रास्ते में घेर कर जानलेवा हमला करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के दफरा गांव निवासी दीपा दुबे पत्नी अनिल कुमार ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था कि उनके पति डफरा बाजार में दुकान चलाते हैं। जब वह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे तो उन पर मुकदमे बाजी की पुरानी रंजिश को लेकर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस ने 6 नामजद कुछ अज्ञात के विरुद्ध मारपीट बलवा गाली गलौज धमकी जानलेवा हमला की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्त अमीन पुत्र गफ्फार को तेलियानी नहर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए अभियुक्त को पुलिस शुक्रवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अन्य कार्रवाइयों में जुटी हुई है ।

भगवान से जुड़े बगैर मन के अंधकार को नहीं मिटाया जा सकता

प्रतापगढ़। क्षेत्र के पूरे माधव सिंह गांव में माधवेश्वर महादेव सेवा समिति द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय मानस संत सम्मेलन समापन अवसर पर जबलपुर से आई मानस मणि दीदी शिरोमणि दुबे ने कहा कि भगवान से जुड़े बगैर मन के अंधकार को नहीं मिटाया जा सकता। उन्होंने ने बताया कि तुलसीदास जी ने धन, रोग और भूतप्रेत से मुक्ति के लिए हनुमान चालीसा का सच्चे मन से पाठ करने को कहा है। क्योंकि हनुमान जी धरती के जीवित देवता है। भदोही से आए पं. सुधाकर मिश्र व पंडित दिनेश त्रिपाठी ने कथा के विशेष प्रसंगों को विस्तार से सुनाया। अंत में आरती और प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर संयोजक पूर्व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश सिंह, शिक्षक राजेश सिंह, विनीत कुमार सिंह, अभय सिंह, रिंकू तिवारी, समाजसेवी आलोक सिंह आदि मौजूद रहे।

जिला विकास अधिकारी द्वारा सहकारी समितियों का किया गया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिला विकास अधिकारी के0एन0 पाण्डेय द्वारा विकास खंड सण्ड़वा चंद्रिका के अंतर्गत नौ समितियों क्रमशः रामनगर भोजपुर, धरौली, भदोही, गोगरी, शुकुलपुर, कल्याणपुर, बरिस्ता, अंतू एवं पूरबगांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शुकुलपुर, कल्याणपुर, बरिस्ता, अंतू एवं धरौली समितियां खुली पाई गईं। शुकुलपुर समिति में पोस मशीन के स्टॉक और भौतिक स्टॉक में अंतर पाया गया, जिसके संबंध में संबंधित सहकारी समिति को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय कई कृषक उर्वरक प्राप्त करने हेतु उपस्थित थे, किंतु सचिव के अनुपस्थित रहने से वितरण बाधित हुआ, जिसे सहायक आयुक्त (सहकारिता) के हस्तक्षेप से निराकृत कराया गया। धरौली, कल्याणपुर और बरिस्ता समितियों में अभिलेखों, बिक्री रजिस्टर तथा पोस मशीन विवरणों में गंभीर असंगतियाँ पाई गईं, जिनकी सूचना मुख्य विकास अधिकारी को प्रेषित की जा रही है। कृषकों से अपील है कि वे केवल शासकीय दर पर उपलब्ध उर्वरक ही समितियों से प्राप्त करें।

तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का मुकदमा

प्रतापगढ़। रंजिशन आरोपियों द्वारा पीड़ित की पिटाई तथा फोन पर जानलेवा धमकी को लेकर लालगंज पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ गुरूवार की रात केस दर्ज किया है। कोतवाली के रामपुर बावली निवासी मो0 शफीक पुत्र स्व0 जाहिद हुसैन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसने दस वर्ष पूर्व अपने पुत्र अनवर का विवाह कोतवाली नगर के भैरवपुर अजीत नगर में किया था। कतिपय कारणों से पीड़ित ने अपने पुत्र को घर से अलग कर दिया। इसी रंजिश के चलते बीती दो नवंबर को दिन में बारह बजे भैरवपुर अजीत नगर निवासी फहीम व तारिक पुत्रगण इसराइल एवं फरहान उर्फ बबलू पुत्र जमील अहमद उसके घर आये। आरोपियों द्वारा गालीगलौज की गयी तो पीड़ित ने मना किया। इस पर आरोपियो ने लाठी डंडे से हमला कर उसे चुटहिल कर दिया। आरोपियो द्वारा गृहस्थी के सामानों में भी तोडफोड़ की गयी। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दिया तब आरोपियो द्वारा बीती पांच नवंबर को फोन पर जानलेवा धमकी दी गयी है।

मातृशक्ति केवल एक शक्ति नहीं बल्कि वह समाज का गौरव और अभिमान है : ओम प्रकाश

राष्ट्र सेविका समिति के नब्बे वर्ष पूर्ण होने पर शहर में निकाला पथ संचलन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्र सेविका समिति एकमात्र ऐसा महिला संगठन है जिसकी रीति-नीति और कार्य पद्धति, उनके वात्सल्य युक्त व्यवहार ने अखिल भारत वर्ष में उसे मातृशक्ति का सर्वश्रेष्ठ संगठन बनाया। उक्त विचार राष्ट्र सेविका समिति के नब्बे वर्ष पूर्ण होने पर शहर स्थित तुलसी सदन हादीहाल में आयोजित पथ संचलन सभा में मातृशक्तियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने कहा। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति केवल एक शक्ति नहीं,बल्कि वह समाज का गौरव और अभिमान है। मातृशक्ति से होगा राष्ट्र व देश भक्ति का जन जागरण । उन्होंने कहा कि स्त्रियों को स्वसंरक्षणक्षम बनाकर उनमें मानसिक बल,शारीरिक दृढ़ता एवं बौद्धिक पात्रता विकसित कर उन्हें स्वराष्ट्र,स्वधर्म और गौरवशाली संस्कृति के वाहक के रूप में स्थापित करना इस संगठन के मूल में है। स्त्री राष्ट्र की आधारशिला है इस सूत्र के साथ एक संगठन 90 वर्षों से अनथक,निरंतर महिलाओं को उनके पारिवारिक तथा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व हेतु प्रशिक्षित कर रहा है। विभाग प्रचारक ने कहा कि वर्ष 1936 में पुणे में विजयदशमी के दिन वंदनीया लक्ष्मी बाई केलकर उपाख्य मौसी जी ने एक संगठन की नींव डाली जो आज राष्ट्र सेविका समिति के नाम से ख्यातिलब्ध है। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की कार्यवाहिका प्रिया व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ रिचा कौशल रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्र सेविका समिति की कार्यवाहिका प्रिया त्रिपाठी व संचालन नगर कार्यवाहिका शालिनी ने किया।तदुपरांत राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाओं ने जिला कार्यवाहिका प्रिया त्रिपाठी के देखरेख में तुलसी सदन से नगर में पूर्ण गणवेश में दंड एवं घोष के साथ अत्यंत अनुशासनबद्ध रूप से संचलन करते हुए राष्ट्रभक्ति का प्रदर्शन किया। पथ संचलन का कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। संचलन हादी हाल से बाबागंज भरत चैक होते हुए श्रीराम तिराहा पहुंचा,जहां से पंजाबी मार्केट होते हुए पुनः तुलसी सदन हादीहाल पहुंची। संचलन में बहनों का अनुशासन, उत्साह एवं राष्ट्रप्रेम अत्यंत सराहनीय रहा। वंदे मातरमह्व और ह्यभारत माता की जयह्व के गगनभेदी उद्घोषों के साथ वातावरण राष्ट्रमय हो उठा। नगर के गणमान्य नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर सेविकाओं का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। राष्ट्र सेविका समिति का पथ संचलन समाज में देशभक्ति, अनुशासन और सेवा भाव को जागृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अंत राष्ट्र सेविका समिति की कार्यवाहिका प्रिया त्रिपाठी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।इस मौके पर प्रमुख रूप से समिति विभाग पालक अधिकारी आभा मिश्रा, शारीरिक प्रमुख वैशाली, ऋचा,जया, शालिनी, सुनीला,नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम लता सिंह, ज्योति,संगीता,नीलम,सांभव,कामिनी श्रीवास्तव वैशाली, प्रीति,रुचि केशरवानी, खुशबू,मीना तिवारी, मनप्रीत,संजना,रीत, जाह्नवी सिंह, भावना,रश्मि,पूनम,नेहा,सुमन, सुशीला,सहित भारी संख्या में बहने शामिल रही ।

सड़क पार कर रहा बाइक सवार युवक कार से टकराया मौत, बाइक पर बैठी दो बालिकाएं हुईं घायल

अखंड भारत संदेश

दुर्घटना के बाद कार का एयरबैग खुल जाने के बाद भी कार सवार शिक्षिका और चालक हुए घायल

हर्रायपुर कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के महगांव में अपने रिश्तेदारी में आया युवक शुभ शुक्रवार को लगभग 10 बजे मौसी की दो बेटियों को लेकर बाइक से खेतों की ओर से वापस घर जा रहा था जैसे ही वह महगांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को बिना देखे क्रॉस करने लगा सामने से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी है जिससे बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े हैं और कराहने लगे दुर्घटना में युवक की घटना स्थल पर तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है और इस हादसे में दोनों बालिकाएं गंभीर घायल है दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही घर परिवार और रिश्तेदार के लोग रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए हैं घटनास्थल पर कोहराम मचा हुआ है बाइक को टक्कर मारने के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क में खड़ी एक दूसरी बाइक को भी रौंदते हुए गोमती में घुस गई है दुर्घटना के बाद कार का एयरबैग खुल गया इसलिए कार सवार गंभीर घायल नहीं हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक प्रयागराज जनपद के बम्हरौली निवासी बृजेंद्र कुमार उम्र 22 वर्ष पुत्र जय सिंह के मौसा कमल सिंह कौशांबी जनपद के संदीपन घाट थाना क्षेत्र के महगांव में रहते थे विजेंद्र अपनी मौसा के घर घूमने आया था और शुक्रवार की सुबह लगभग 10:00 बजे बृजेंद्र बाइक से अपनी मौसी के दो बेटियों राधा उम्र 18 वर्ष और खुशी 16 वर्ष को बाइक में लेकर खेत की ओर से वापस घर जा रहा था जैसे ही बाइक सवार राष्ट्रीय राजमार्ग पहुंचे और बिना देखे सड़क क्रॉस करने लगा इसी बीच प्रयागराज की ओर से आ रही कार की टक्कर बाइक में लग गई जिससे बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े दुर्घटना इतनी तेज थी कि बृजेंद्र कुमार की घटनास्थल पर तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है और वही इस दुर्घटना में दोनों बालिकाएं खुशी और राधा गंभीर घायल हो गई है बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित हुई कार सवार शिक्षिका रिचा मिश्रा और उनके ड्राइवर को भी हल्की चोटें आई है हालांकि कार का एयरबैग खुल जाने के कारण कार सवार शिक्षिका गंभीर घायल नहीं हुए हैं दुर्घटना के देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे हैं मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा है और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ग्रामीणों ने कार चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है।

न्यूज झरोखा

कुएं में कूद गई किशोरी मौत, परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस जांच में जुटी

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम 7 बजे एक किशोरी घर के सामने कुएं में कूद गई है जिससे किशोरी की मौत हो गई,किशोरी के कुएं में कूद जाने की सूचना परिजनों को मिली तो परिजनों में कोहराम मच गया ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से किशोरी को कुएं से बाहर निकाला,लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी,पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव निवासी सकीना उम्र 13 वर्ष पुत्री नूर मोहम्मद बुधवार की शाम 7 बजे घर के सामने कुएं में कूद गई पड़ोस के लोगों ने देखा कि वह कुएं में गिर गई है।ग्रामीणों ने बताया तो पुलिस को घटना की सूचना दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने गांव वालों की मदद से किशोरी को कुएं से बाहर निकाला। लेकिन तब तक किशोरी की मौत हो चुकी थी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वही किशोरी की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

किशोरी से रेप का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में स्कूली छात्रा को प्रेम जाल में फंसाकर रेप करने वाले आरोपी के साथ बुधवार की रात पुलिस की मुठभेड़ हो गई मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया जिस पर पुलिस ने भी फायरिंग की,पुलिस की गोली से आरोपी घायल हो गया है जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने एसपी राजेश कुमार को शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि मलाक पिंजरी गांव का रहने वाला शहनूर आलम उसकी पुत्री को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और उसके साथ रेप किया,यही नहीं कई महीनों तक उसे ब्लैकमेल कर रेप करता रहा।महिला की शिकायत के बाद एसपी ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया,पुलिस टीम आरोपी को तलाश रही थी तभी आरोपी के संबंध में जानकारी मिलीं तो पुलिस टीम ने उसे घेर लिया,इस दौरान आरोपी शहनूर आलम ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी,पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा,पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

मूरतगंज में चल न्यायालय का हुआ आयोजन

हर्रायपुर कौशाम्बी। चायल तहसील के संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत मूरतगंज पक्का तालाब में शुक्रवार को ग्राम न्यायालय के अंतर्गत चल न्यायालय का आयोजन किया गया ग्राम न्यायालय के न्यायाधीश हेमेंद्र सिंह द्वारा चल न्यायालय में मुकदमे की सुनवाई किया गया मुकदमे में फरियादियों ने न्यायाधीश के सामने अपना तर्क प्रस्तुत किया जिसे न्यायाधीश ने सुना आम जनता के तर्क को सुनने के बाद न्यायाधीश ने मुकदमे की पत्रावली का निस्तारण किया आज के चल न्यायालय में मुकदमे की 21 फाइलों को सुना गया।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में डीएम ने की बैठक

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कार्यालय कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में बैठक की।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में कार्यवाही किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जहाँ नयी आवासीय कालोनियां गत कुछ वर्षों में बनी हैं और उसमें नागरिक निवास करने लगे है तो वहाँ पर आवश्यकतानुसार नया पोलिंग स्टेशन बनाये जाने, अत्यधिक पुराने व जर्जर भवन वाले मतदेय स्थलां को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित किए जाने, अस्थायी निर्माण वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित किए जाने एवं जिन मतदेय स्थलों के भवन पुराने व जर्जर नहीं है तथा जहाँ मतदाताओं को 02 कि0मी0 से अधिक दूरी चलने की आवश्यकता नहीं है, ऐसे मतदेय स्थलां की स्थिति में परिवर्तन नहीं किए जाने आदि कार्यवाही के निर्देश प्राप्त हुए हैं।जिलाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि इस सम्बन्ध में अगर कोई सुझाव हो तो उपलब्ध करा दिया जाय।

विकसित किए जा रहें शौर्य वन का डीएम ने किया भ्रमण

कौशांबी। ग्राम एदिलपुर में स्वतन्त्रता सेनानी स्व0 लाखन सिंह की स्मृति में विकसित किए जा रहें शौर्य वन का शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने भ्रमण किया।जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी से शौर्य वन में लगाए गए पौधों एवं उनके संरक्षण के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि शौर्य वन को व्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी उपस्थित रहें।

साग तोड़कर आई महिला को पति ने डंडा से पीटा

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के बरीपुर गांव की सुनीता रानी ने अझुवा चौकी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि गुरुवार की शाम चार बजे वह चना का साग तोड़ने गई थी। वापस आने पर सुनीता का आरोप है, उसका पति डंडों से मारने लगा जिसमें वह चोटिल हो गई बीच बचाव में मां अनारकली व पुत्र प्रिंस एवं आयुष के साथ भी मारपीट करने लगा , किसी तरह छुपकर जान बचाने के बाद पीड़िता ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है । पीड़िता की शिकायत पर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

बाइक चालक ने स्कूल वैन चालक को पीटा

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के अटसरॉय गांव निवासी महेश प्रसाद शर्मा पुत्र केदार नाथ ने सैनी कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह अझुवा कस्बे के एक स्कूल की वैन चलाता है ,महेश प्रसाद ने बताया कि गुरुवार की दोपहर तीन बजे के करीब वह स्कूल वैन में बच्चों को लेकर ऊंचरावा जा रहा था , ऊंचरावा गांव पहुंचकर बच्चों को उतार रहा था इस दौरान पथरावा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उसकी वैन में टक्कर मार दिया इस बात का विरोध करने पर बाइक सवार गाली गलौच करते हुए मारपीट कर चोटिल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया पीड़ित की शिकायत पर सैनी पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

सादिकपुर सेमरहा में चौपाल लगाकर डीएम ने सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने गॉव की समस्या, गॉव में समाधान के अन्तर्गत आज ग्राम- सादिकपुर सेमरहा में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लो.नि.वि. को ग्राम के सम्पर्क मार्ग को शीघ्र ठीक करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामवासियों से पुष्टाहार, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन कार्ड, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाय। उन्होंने ग्रामवासियों से पूँछा कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं या नहीं, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, बच्चों को पाठ्य पुस्तक का वितरण हुआ या नहीं तथा ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य करते हैं कि नहीं, जिस पर ग्रामवासियो ने बताया कि अध्यापक विद्यालय समय से आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य भी करते हैं। उन्होंने ग्रामवासियों से गांव के सबसे नजदीक स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी पर ग्रामवासियों ने बताया कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है। जिलाधिकारी ने उपायुक्त एन.आर.एल.एम. से कहा कि ग्राम में गठित स्वयं सहायता समूहों को सभी अनुमन्य सुविधायें उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने ग्राम में कराये गये कार्यों का सत्यापन कराने एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण/ट्राई साइकिल आदि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने गांव में कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों को गोल्डेन कार्ड एवं महिलाओं की गोदभराई व बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा एवं कृषि अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ भौंतर का दशहरा मेला

अखंड भारत संदेश

मीना बाजार में पुरुषों का प्रवेश सख्त मना,गांव की चौकियों का दर्शकों ने लिया आनंद

अझुवा कौशाम्बी। नगर पंचायत अझुवा के वार्ड नं 1 भौंतर में चल रही रामलीला में शुक्रवार को मेंला मैदान में रावण वध का मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो गए। राम की सेना में भौंतर और रावण के सेना में मौलाना आजाद नगर के लोगों द्वारा कुप्पी युध्द का प्रदर्शन किया गया। रावण युद्ध देख दर्शक खुशी से झूम उठे मेले में बेहतरीन लाइट की सजावट के साथ एक से बढ़कर एक गांवों की मनमोहक चौंकिया निकाली गई। । मेले के अंतिम दिन रावण वध व भरत मिलाप के साथ मेला का समापन हो गया। इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ने राम व भरत की पूजा अर्चना किया । वहीं मेंले में बेहतर लाइटिंग सजावट के बीच राम, सीता, लक्ष्मण व हनुमान राधा कृष्णमां काली दुर्गा भोले बाबा की एक से बढ़कर एक गांव की सुंदर झांकी प्रस्तुति देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। मेले में पहुंचे क्षेत्रीय लोगों ने विभिन्न प्रकार के झूले, मीना बाजार व रात में नाटक का आनंद लिया व महिलाओं ने जमकर मीना बजार में खरीदारी की । मेले में सुरक्षा को लेकर कमेंटी के लोग चप्पे चप्पे पर लगे रहे। मीना बजार में पुरषों का प्रवेश वर्जित रहा। कमेटी के लोगों ने बताया तमाम मुस्लिम महिलाएं भी मीना बाजार में खरीददारी करना चाहती थीं जिन्हें सुरक्षा की दृष्टि से अनुरोध सहित कहा गया आप मुंह खोलकर मीना बाजार में खरीददारी कर सकती हैं अन्यथा आप मीना बाजार नहीं जा सकतीं। रमलीला कमेंटी अध्यक्ष पूर्व ब्लाक प्रमुख शिव प्रताप सिंह ने बताया रामलीला के संस्थापक स्व बाबा मनोहर दास महराज थे। इस मौके पर नमो नारायण त्रिपाठी, मनोज कुमार त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी, दिनेश सिंह सिंटू सिंह, विवेक सिंह सहित कमेटी के लोग मौजूद रहे।

एसपी ने ली शुक्रवार की परेड की सलामी दिए अनुशासन व स्वच्छता के निर्देश

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा 7 नवम्बर को पुलिस लाइन कौशाम्बी में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा टोलीवार परेड का निरीक्षण करते हुए परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों एवं प्रशिक्षु आरक्षियों के टर्नआउट का अवलोकन किया गया। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों व प्रशिक्षु आरक्षियों को दौड़, पीटी अभ्यास एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा क्वार्टर गार्ड पर गार्ड की सलामी ली गई तथा गार्ड एवं गार्ड रूम का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं अनुशासन संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए परेड उपरांत पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन स्थित मेस में भोजन की गुणवत्ता, आरटीसी बैरक प्रशिक्षण कक्ष, विभिन्न शाखाएँ, डीसीआर, शस्त्रागार डायल 112 कार्यालय परिवहन शाखा प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय व पुलिस बैरकों का निरीक्षण किया तथा साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन व प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन मौजूद रहे।

कनैली मेला में इनामी दंगल का आयोजन मेला के चौथे दिन उमड़ा जनसैलाब

महिलाओं-बच्चों ने उठाया मेले का आनंद, महिला पुलिस बल रहा तैनात

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। कनैली मेला में चौथे दिन इनामी दंगल का आयोजन हुआ इनामी दंगल का उद्घाटन पूर्व सांसद जनसत्ता दल पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव शैलेंद्र कुमार द्वारा किया गया है मेले में अंतरप्रांतीय पहलवानों की कुश्ती देखने के लिए इलाके के दर्जनों गांव के हजारों लोग दंगल मैदान में पहुंच गए हैं तमाम पहलवानों की कुश्ती बड़ी रोचक रही जिस पर ताली बजाकर लोगों ने पहलवानों का हौसला बढ़ाया है मेला देखने के लिए भी इलाके के हजारों महिला पुरुष मेला मैदान में पहुंचे थे और मेले का जमकर आनंद लिया है कुश्ती में विजई पहलवानों को 21 हजार रुपए नगद प्रोत्साहन राशि शील्ड आकर्षक उपहार देकर उनको सम्मानित करते हुए उनका हौसला पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार ने बढ़ाया है मेला कमेटी के अध्यक्ष अजय सिंह पटेल ने बताया कि फाइनल मुकाबला खेला जाएगा युवाओं को खेलों में भाग लेने की उन्होंने अपील की है मेला में पहुंचे अतिथियों को माल्यार्पण कर शील्ड देकर मेला कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया है इस मौके पर क्षेत्र के हजारों लोगों के साथ-साथ तमाम नेता और आम जनता मेला दंगल में मौजूद रहे।

अषाढ़ा में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू

बीएलओ ने घर-घर जाकर गणना प्रपत्र मतदाताओं को किया वितरित

महेवाघाट कौशाम्बी। जिले में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (रक्फ़) की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस अभियान के तहत, बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित कर रहे हैं। मंझनपुर विधानसभा की अषाढ़ा ग्राम पंचायत में शुक्रवार को बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए गए। इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और समावेशी बनाना है, ताकि सभी पात्र नागरिकों के नाम इसमें शामिल हो सके। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) कुलदीप बहुगुणा और शुक्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह विशेष अभियान एक महीने तक चलेगा। उन्होंने जानकारी दी कि प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र की दो प्रतियां देंगे। साथ ही उसको भरने में मतदाता की मदद भी करेंगे। एक प्रति अपने पास रखेंगे और दूसरी मतदाता को देंगे. मतदाता की अनुपस्थिति में परिवार का कोई सदस्य है, तो वह रिश्ते का उल्लेख करते हुए फॉर्म पर हस्ताक्षर कर सकता है. यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे।अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 4 दिसंबर तक प्रत्येक मतदाता के घर तीन बार जाया जाएगा। इस दौरान वे गणना प्रपत्र भरवाकर जमा करेंगे। प्रपत्र में मतदाता का नाम, एपिक संख्या, भाग संख्या, क्रम, विधानसभा का नाम और राज्य जैसी प्रविष्टियां भरी जाएंगी। इसमें मतदाता की फोटो भी होगी।अन्य खानों में जन्मतिथि, पिता का नाम, उनका एपिक, माता का नाम, उनका एपिक, पति-पत्नी का नाम और उनकी एपिक संख्या भरनी होगी। मतदाताओं को अपनी जन्मतिथि, आधार नंबर (वैकल्पिक), मोबाइल नंबर, पिता या अभिभावक का नाम और एपिक नंबर (यदि उपलब्ध हो), माता का नाम और एपिक नंबर, तथा पत्नी और बच्चों के नाम और एपिक नंबर जैसे विवरण भी देने होंगे। गणना प्रपत्र में वर्ष 2003 में हुए एसआईआर की निर्वाचक नियमावली से संबंधित विवरण भी मतदाताओं को भरना होगा।

सहकारी समिति से आधी रात को डीएपी उठा ले गए सचिव किसानों ने किया हंगामा

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के ओसा में मौजूद सहकारी समिति से गुरुवार की आधी रात को एक ट्रैक्टर ट्राली में सैकड़ो बोरी डीएपी समिति के सचिव और उनके पुत्र उठा ले गए हैं बचाव में उनका कहना है कि आधी रात को उन्होंने किसानों को समिति से डीएपी उर्वरक दी है लेकिन यह बात किसानों को हजम नहीं हो रही है आधी रात को समिति से डीएपी उर्वरक ले जाने के मामले की जानकारी मिलते ही सैकड़ो किसानों ने आधी रात को समिति के बाहर हल्ला मचाना शुरू कर दिया लेकिन उसके बाद भी डीएपी उर्वरक आधी रात को सहकारी समिति से बाहर भेजने के मामले में सचिव के ऊपर कोई फर्क नहीं पड़ा है चचाओं पर जाए तो उर्वरक दुकानदारों से साठगांठ करके सहकारी समिति से आधी रात को सैकड़ो बॉडी डीएपी उर्वरक की कालाबाजारी की गई है इस समिति में बीते कई दिनों से किसानों को उर्वरक ना मिलने से किसान परेशान है और हल्ला मचा रहे हैं लेकिन उसके बाद भी किसानों को इस समिति से डीएपी उर्वरक समय रहते नहीं मिल रही है। आधी रात को सहकारी समिति से एक ट्रैक्टर ट्राली में सैकड़ो बोरी डीएपी उर्वरक ले जाने का यह मामला बेहद गंभीर है और इस प्रकरण में यदि जांच हुई तो सचिव और उसके पुत्र की मुसीबत बढ़ सकती है आधी रात को सहकारी समिति से डीएपी उर्वरक ले जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है बताया जाता है कि यह सचिव हमेशा सुर्खियों में रहता है और इसकी समितियों में इसके बेटे का हमेशा दखलअंदाजी रहती है।

बाइक गायब करने वाले दो अभियुक्त बाइक के साथ गिरफ्तार

कौशांबी। दिलीप कुमार दिवाकर पुत्र स्व0 सीताराम दिवाकर ग्राम सेवढ़ा थाना पिपरी की मोटरसाइकिल वढ 57 इउ 4743 दिनांक 05.11.2025 को ग्राम नूरपुर के रामलौटन के घर से सामने से मेरी चोरी हो गयी इधर उधर काफी खोज बीन किया लेकिन पता नहीं चला 6 नवम्बर को सुबह नूरपुर निवासी मयंक दिवाकर ने फोन कर कहा कि 20000 रु0 दे दो तो मोटर साइकिल मंगवा कर दे दूंगा नहीं तो नहीं मिलेगी और तुम्हारी गाड़ी कटहुला में है थाना पिपरी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में थाना पिपरी पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्तों की तलाश हेतु चेकिंग दबिस दी जा रही थी कि इसी दौरान सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित दो अभियुक्तों मयंक दिवाकर पुत्र स्व0 हरिश्चन्द वा दिनेश पासी पुत्र जंगली पासी निवासी नूरपुर हाजीपुर थाना पिपरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया अभियुक्तो के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल वढ 57 इउ 4743 बरामद हुई विधिक कार्यवाही के पश्चात गिरफ्तार अभियुक्त व बाल अपचारी को न्यायालय भेजा गया।

भवंस मेहता विद्याश्रम के निदेशक ने जी. बलई को प्रधानाचार्य पद का ग्रहण कराया कार्यभार

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में 7 नवम्बर को शिक्षाविद्,तेजतर्रार और अनुभवी श्री गंगारबोइना बलई ने नवनियुक्त प्रधानाचार्य के रूप में पद ग्रहण किया।समस्त अध्यापकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी के निदेशक संदीप सक्सेना ने जी.बलई को प्रधानाचार्य पद पर ज्वाइन कराते हुए साल ओढ़ाकर स्वागत किया। निदेशक संदीप सक्सेना ने बताया कि इससे पहले श्री बलई ने केंद्रीय विद्यालय हैदराबाद में सर्वप्रथम शिक्षक के पद पर कार्य किया।इसके बाद 2005 से 2010 तक नारायण टेक्नो स्कूल में प्रधानाचार्य पद पर रहे।तत्पश्चात श्री चैतन्य पब्लिक स्कूल हैदराबाद में दो साल तक प्रधानाचार्य पद पर रहे।इसके बाद 2012 से 2017 तक जय हिंद पब्लिक स्कूल लातूर मुंबई में प्रधानाचार्य पद पर रहे।इसके बाद अनुराधा पब्लिक स्कूल लातूर मुंबई में 2018 अभी तक प्रधानाचार्य का पद संभाला।उन्होंने बताया कि नवनियुक्त प्रधानाचार्य श्री जी बलई ने कई प्रदेशों के संभ्रांत स्कूलों में रहकर प्रधानाचार्य पद पर रहकर स्कूल की प्रगति में अहम योगदान दिया है इसलिए आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में प्रधानाचार्य पद पर रहते हुए उनका एक अहम योगदान और अनुभव मिलेगा जो स्कूल एवं छात्रों की शिक्षा तथा स्कूल के विकाश में मील का पत्थर साबित होगा।कोषाध्यक्ष प्रो.प्रशांत अग्रवाल ने श्री जी.बलई को प्रधानाचार्य पद ग्रहण करने की बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित किया।इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह, स्कूल कॉर्डिनेटर मोहम्मद नसीम,सीनियर शिक्षक अवधेश मिश्रा तथा अन्य सभी अध्यापकों ने खुशी व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रधानाचार्य का माला पहनाकर स्वागत किया।नव नियुक्त प्रधानाचार्य श्री जी. बलई ने अपने पहले संक्षिप्त संबोधन में संबोधित करते हुए बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी के समस्त अभिभावकों छात्रों एवं अध्यापकों के बीच एक अच्छे कोऑर्डिनेशन एवं बेहतर माहौल के साथ संस्कारित शिक्षा दिलाने का है जिसके लिए उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को अहम बताते हुए एक साथ मिलकर भवंस मेहता विद्याश्रम जो कि एक बहुत ही ख्यातिप्राप्त संस्था है उसको आगे बढ़ाने में सहयोग की अपील किया।साथ ही आज आए हुए समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्पादकीय

वोट चोरी के सबूतों का हाइड्रोजन बम

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने के बाद 1 सितम्बर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया था कि वे अब हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। तब भाजपा ने उनका आदतन या रणनीति के तहत मजाक उड़ाया था कि राहुल कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता सकते तो वोट चोरी का बहाना बनाते हैं। भाजपा ने हाइड्रोजन बम को सीधे अहिंसा से भी जोड़ा था, मानो गांधीजी के विचारों पर भाजपा से बेहतर कोई और नहीं चलता। भाजपा राहुल गांधी को हतोत्साहित करने की पूरी कोशिश करती रही और सितम्बर के बाद अक्टूबर भी बीत गया तो पार्टी काफी हद तक निश्चिंत हो गई थी कि अब राहुल का हाइड्रोजन बम नहीं फूटने वाला। लेकिन भाजपा को शायद यह अनुमान नहीं था कि बिहार विधानसभा चुनावों में पहले दौर के मतदान से ठीक एक दिन पहले फिर नए सबूतों के साथ देश को बताएंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर लाखों वोटों की हेरा-फेरी की है।

5 नवंबर बुधवार की सुबह खबर आई कि 12 बजे राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, इसी के साथ तस्वीरें आईं जिनमें सामान ढोने वाली ट्रॉली में कागजात के ऊंचे-ऊंचे बंडल लाए जा रहे थे। तभी समझ आ गया था कि राहुल गांधी ने जिस हाइड्रोजन बम की चेतावनी सितम्बर में दी थी, अब उसका धमाका होने वाला है। और वाकई ऐसा धमाका हुआ है कि चुनाव आयोग और भाजपा पूरी तरह हिल चुके हैं। राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद ही मोदी सरकार में मंत्री किरण रिजीजू ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कुछ होने वाला नहीं है, इसलिए हरियाणा का जिक्र कर ध्यान भटकाया जा रहा है। वहीं हरियाणा के मुख्य चुनाव आयुक्त ने बुधवार को राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद चुनाव के विभिन्न चरणों की पारदर्शिता और क्रियान्वयन के बारे में लंबी-चौड़ी सफाई सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इससे पता चलता है कि अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करने की तैयारी पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने कर ली थी। हालांकि राहुल गांधी ने बड़े आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगे हैं। उनकी तरफ से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया है। ज्ञात हो कि हरियाणा चुनाव में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कहा था कि हमारी जीत तय है और सारी व्यवस्था हो गई है। इस व्यवस्था शब्द को पकड़ कर राहुल गांधी ने बताया कि भाजपा की चुनावी रणनीति में इसका असली मतलब क्या है। किस तरह चुनाव आयोग को जरिया बनाकर भाजपा धांधली करवा रही है। लेकिन किरण रिजीजू का कहना है कि व्यवस्था का मतलब हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की पूरी तैयारी है, जो चुनाव जिताने में मेहनत करते हैं। हालांकि इस वार-पलटवार से उन सवालों के जवाब नहीं मिल रहे, जो राहुल गांधी ने उठाए हैं। जैसे मतदाता सूची में राहुल गांधी ने एक ब्राजीलियन मॉडल का चेहरा दिखाया, जिसका नाम 22 जगहों पर मतदाता के तौर पर दर्ज था। एक प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि मकान नंबर शून्य उन्हें दिया जाता है, जो दुर्भाग्यशाली लोग बेघर होते हैं।

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

-ललित गर्ग-

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं। सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है।

जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निमार्ताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरूआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है। कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है। युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है। समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है।

गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनस्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

गरीबी-अमीरी के असंतुलन की स्थिति से निकलने का एक ही मार्ग है-धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुदृढ़ करे। अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने। परंतु केवल नीतियों से नहीं, दृष्टि से परिवर्तन आएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-ह्लगरीब पापी नहीं, जीवित देवता हैं। उनकी सेवा ही ईश्वर की सेवा है ह्व दूसरी बड़ी बात है कि जब कुछ लोग सब कुछ पा लेते हैं, तो बाकी सब कुछ खो देते हैं। इसलिये सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहल करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक, समता एवं सतुलन के दृश्य स्थापित किये जा सकते हैं। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है।

अमेरिका को दुनिया को परमाणु संकट की ओर धकेलने की इजाजत नहीं दी जा सकती

डॉ. अरुण मित्रा

ईरान, जो लंबे समय से परमाणु हथियारों के विकास को लेकर अमेरिकी आरोपों का निशाना रहा है, ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसले को 'प्रतिगामी' और 'गैर-जिम्मेदाराना' बताया और अमेरिकी नेता को 'परमाणु-सशस्त्र धौंसिया' कहा। ईरान के राष्ट्रपति का कहना है कि तेहरान अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण करेगा। 29 अक्टूबर को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि 'अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग (पेंटागन) को समान आधार पर हमारे परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया तुरंत शुरू होगी।' यह बयान न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बेहद खतरनाक भी है। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किया गया आखिरी परमाणु विस्फोट 1992 में हुआ था। उत्तर कोरिया के अलावा, 1990 के दशकांत से किसी भी देश ने परमाणु हथियारों का परीक्षण नहीं किया है। ऐसे समय में जब दुनिया के बड़े हिस्से पहले से ही प्रत्यक्ष या छद्म युद्धों में उलझे हुए हैं–और जब कई क्षेत्र विनाशकारी गृहयुद्धों का सामना कर रहे हैं, जिससे सामूहिक हत्याएं, भुखमरी और मानवीय पीड़ा हो रही है–ऐसा आदेश दुनिया को अंधकार के एक नए युग में धकेलने का खतरा पैदा करता है। इससे पहले से ही खतरनाक वैश्विक हथियारों की होड़ और तेज हो जाएगी। जिन देशों के पास पहले से ही परमाणु हथियार हैं, वे अपने शस्त्रागार का और भी तेजी से विस्तार और आधुनिकीकरण करेंगे। इसके अलावा, परमाणु हथियार विकसित करने की तकनीकी क्षमता वाले देश भी इस दौड़ में शामिल होने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका इस निर्देश को वापस नहीं लेता है, तो रूस भी इसी तरह जवाब देगा। सभी परमाणु शक्तियां बेहतर वितरण प्रणालियों का विकास और परीक्षण कर रही हैं, जिनमें सबसे हाल ही में रूस ने अपने पानी के नीचे चलने वाले 'पोसिडॉन' परमाणु ड्रोन और परमाणु ऊर्जा से चलने वाले 'बुरेवेस्टनिक' परमाणु-सशस्त्र क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। चीनी विदेश मंत्री ने अमेरिका से परमाणु परीक्षण पर लगी रोक न तोड़ने की अपील की है। ईरान, जो लंबे समय से परमाणु हथियारों के विकास को लेकर अमेरिकी आरोपों का निशाना रहा है, ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति ट्रम्प के $फैसले को 'प्रतिगामी' और 'गैर-जिम्मेदाराना' बताया और अमेरिकी नेता को 'परमाणु-सशस्त्र धौंसिया' कहा। ईरान के राष्ट्रपति का कहना है कि तेहरान अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण करेगा। जून में, अमेरिका ने ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिनके बारे में वाशिंगटन का कहना है कि वे परमाणु हथियार विकसित करने के एक कार्यक्रम का हिस्सा थे। इराक पर अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले को इस झूठे दावे के आधार पर उचित ठहराया गया था कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं। हालांकि सद्दाम हुसैन के शासन को तुरंत उखाड़ फेंका गया, लेकिन इस आक्रमण ने क्षेत्र को लंबे समय तक अस्थिरता, हिंसा और अराजकता में डुबो दिया। 22 जून, 2025 को भी ऐसा ही एक पैटर्न देखा गया, जब अमेरिकी वायु सेना और नौसेना ने ईरान-इजराइल संघर्ष के हिस्से के रूप में 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के तहत ईरान में तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला किया। ईरान ने आरोपों का खंडन किया और हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। आधुनिक परमाणु हथियार हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए हथियारों से कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि प्रमुख शक्तियों के बीच किसी भी बड़े पैमाने पर परमाणु आदान-प्रदान आधुनिक सभ्यता की नींव को नष्ट कर देगा- जो हजारों वर्षों की मानव प्रगति पर आधारित है। भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमित परमाणु आदान-प्रदान भी दो अरब से अधिक लोगों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। प्रमाण स्पष्ट हैं : परमाणु हथियार मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा हैं और इन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। परमाणु हथियारों से उत्पन्न गंभीर खतरों को समझते हुए, परमाणु-सशस्त्र राष्ट्रों पर निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ने का वैश्विक दबाव लंबे समय से रहा है। हालांकि कुछ संधियों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, लेकिन प्रमुख शक्तियों ने उन्हें आंशिक रूप से और अक्सर अनिच्छा से ही लागू किया है। यहां कुछ प्रमुख शस्त्र न्यूनीकरण और नियंत्रण संधियों का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है। सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधियां (स्टार्ट- 1, 2, और न्यू स्टार्ट), जिनका उद्देश्य अमेरिका और रूस के बीच द्विपक्षीय समझौतों के तहत सामरिक परमाणु हथियारों को कम करना था; मध्यम दूरी की परमाणु शक्ति (आईएनएफ) संधि (1987); 500 से 5,500 किमी की मारक क्षमता वाली अमेरिकी और सोवियत भूमि-आधारित बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों पर प्रतिबंध; एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल (एबीएम) संधि (1972) जिसके तहत आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिजाइन की गई प्रणालियों की तैनाती को सीमित किया गया; सामरिक शस्त्र सीमा वार्ता (एसएएलटी 1 और 2), जिसके तहत अंतरमहाद्वीपीय और पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या सीमित कर दी गई; परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि (एनपीटी), जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना है; व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी), जो किसी भी उद्देश्य के लिए सभी परमाणु विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाती है; और आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि (पीटीबीटी), जो वायुमंडल, बाह्य अंतरिक्ष और पानी के भीतर परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाती है। परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (टीपीएनडब्ल्यू) परमाणु हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, यह नवीनतम बहुपक्षीय संधि है जिसे जुलाई 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किया गया था। इस संधि पर 95 देशों ने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं और 74 ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि टीपीएनडब्ल्यू को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारी समर्थन के साथ पारित किया गया था, लेकिन परमाणु-सशस्त्र देशों ने न तो विचार-विमर्श में भाग लिया और न ही अपने शस्त्रागार को समाप्त करने का कोई इरादा दिखाया। कुछ संतोषजनक खबर यह है कि कई क्षेत्रों ने स्वयं को परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। उनमें शामिल हैं लैटिन अमेरिका (ट्लाटेलोल्को संधि), दक्षिण प्रशांत (रारोटोंगा संधि), अफ्रीका (पेलिंडाबा संधि), दक्षिण पूर्व एशिया (बैंकॉक संधि), तथा मध्य एशिया (सेमिपालाटिंस्क संधि)। मंगोलिया एकमात्र ऐसा देश है जिसने खुद को एकल-राज्य परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र घोषित किया है, यह दर्जा उसने 1992 में स्थापित किया था और जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसका कानून अपने क्षेत्र से परमाणु हथियारों या उनके घटकों के विकास, परीक्षण, कब्जे या परिवहन पर प्रतिबंध लगाता है। दुर्भाग्य से, कुछ प्रमुख संधियां ध्वस्त हो गई हैं। 2019 में अमेरिका के परमाणु हथियार संधि से हटने के बाद आईएनएफ संधि प्रभावी रूप से समाप्त हो गई, जिसके बाद 2025 में रूस का आधिकारिक रूप से इससे बाहर निकलना तय हुआ। इस ऐतिहासिक समझौते के टूटने से आपसी विश्वास कम हुआ है, सुरक्षा जोखिम बढ़े हैं, और हथियारों की होड़ फिर से शुरू होने का खतरा बढ़ गया है। न्यू स्टार्ट संधि, जो अमेरिका और रूस की परमाणु शक्तियों को सीमित करने वाला अंतिम समझौता है, 4 फरवरी, 2026 को समाप्त होने वाला है। यदि कोई नया समझौता इसकी जगह नहीं लेता है, तो दोनों देशों को अपने परमाणु शस्त्रागार पर किसी भी कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबंध हीन भविष्य का सामना करना पड़ेगा। परमाणु-विहीन राष्ट्रों और दुनिया भर के शांतिप्रिय लोगों के लिए परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने का समय आ गया है। मानवता का अस्तित्व सामूहिक साहस, बुद्धिमत्ता और सामूहिक विनाश के हथियारों पर आधारित झूठी सुरक्षा के परित्याग पर निर्भर करता है।

कुछ परमाणु हथियार संपन्न देशों, विशेष रूप से अमेरिका, को दुनिया को अस्तित्व के खतरे में डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती। शांति भय से सुरक्षित नहीं रह सकती- इसे न्याय, सहयोग और सभी राष्ट्रों के सम्मान पर आधारित होना चाहिए।

राजकीय शहीद स्मारक महाविद्यालय में साइबर फ्रॉड एवं मिशन शक्ति यातायात जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद के थाना कोतवाली मुहम्मदाबाद अंतर्गत राजकीय शहीद स्मारक महाविद्यालय परिसर में शुक्रवार को साइबर सुरक्षा और मिशन शक्ति के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद सुधाकर पाण्डेय, थाना प्रभारी निरीक्षक राम सजन नागर, साइबर सेल प्रभारी तथा टीएसआई गाजीपुर उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी सुधाकर पाण्डेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर सावधानी, ओटीपी साझा न करना, अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करना जैसी छोटी-छोटी सतर्कताएँ बड़े नुकसान से बचा सकती हैं। उन्होंने युवाओं से साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।थाना प्रभारी निरीक्षक राम सजन नागर ने मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों और हेल्पलाइन नंबरों – 1090, 112 और 181 – की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत सहायता नंबरों पर संपर्क करें।

साइबर सेल प्रभारी ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कैसे साइबर ठग लोगों को धोखे में लेकर बैंक खातों से धन की ठगी करते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या संदेश पर भरोसा न करें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। टीएसआई गाजीपुर ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य, प्रोफेसरगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक मंडल द्वारा किया गया और अंत में प्राचार्य महोदया ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार यह जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कोतवाली परिसर देशभक्ति के रंग में हुआ सराबोर

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा माने जाने वाले राष्ट्रगीत ह्ववंदे मातरम्ह्व के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को कोतवाली परिसर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी राम सजन नागर के नेतृत्व में समस्त पुलिसकर्मियों ने राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन कर मातृभूमि के प्रति अपनी श्रद्धा और निष्ठा व्यक्त की।सुबह से ही कोतवाली परिसर में विशेष तैयारी की गई थी। जैसे ही ह्ववंदे मातरम्ह्व की गूंज पूरे परिसर में फैली, वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो उठा। पुलिसकर्मी व अधिकारी एक स्वर में राष्ट्रगीत गाकर भाव-विभोर हो उठे।

पूरे परिसर में तिरंगा लहराता रहा और देशप्रेम की भावना ने सभी को एक सूत्र में बाँध दिया। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी राम सजन नागर ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा का स्रोत रहा है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उस समय के हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करता था।

नए मतदेय स्थलों को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुआ विचार-विमर्श

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में अर्हता तिथि एक जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एवं मतदेय स्थल सम्भाजन व समायोजन के संबंध में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 236 चित्रकूट एवं 237 मानिकपुर के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से कहा कि अर्हता तिथि एक जनवरी 2026 के विधानसभा निर्वाचक क्षेत्रों के निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित जारी दिशा निर्देश के क्रम में मतदाताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने एवं सुगमता बढ़ाने के लिए निर्वाचक व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन करने के बाद 1200 से अधिक मतदेय स्थलों का समायोजन एवं संभाजन का निर्धारण किया गया है। जिसका आलेख्य प्रकाशन आयोग के निदेर्शानुसार 10 नवंबर 2025 को किया जाना है, जो सभी पार्टी प्रतिनिधियों को प्राप्त कराया गया है। बताया कि आलेख्य मतदेय स्थल सूची पर प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद 18 नवंबर 2025 को बैठक कर अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया कि मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निधारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित करने के लिए भवनों का चिन्हांकन बीती 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक किया जा चुका है। इसी क्रम में छह व सात नवंबर को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार कराए जा रहे है। इसके बाद आपत्तियों एवं सुझावों के लिए मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन 10 नवंबर 2025 को किया जाएगा। साथ ही मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को 10 नवंबर तक उपलब्ध कराई जाएगी। जनप्रतिनिधियों व मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठकों के आयोजन के बाद शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को 18 नवंबर को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद सभी संलग्नको सहित मतदेय स्थलों का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को आयोग के अनुमोदनार्थ भेजने के लिए उपलब्ध कराने की तिथि 19 से 21 नवंबर तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा संभाजन संबंधी प्रस्ताव आयोग के अनुमोदनार्थ प्रेषित किए जाने की तिथि 24 नवंबर निर्धारित है।

उप जिलाधिकारी कर्वी ने विधानसभा क्षेत्र 236 चित्रकूट में वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 440, बढ़े हुए मतदेय स्थलों की संख्या 30 तथा प्रस्तावित कुल मतदेय स्थलों की संख्या 470 है। इसी प्रकार उप जिलाधिकारी मऊ ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र 237 मानिकपुर के अंतर्गत वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 412, बढ़े हुए मतदेय स्थलों की संख्या 23 तथा प्रस्तावित कुल मतदेय स्थलों की संख्या 435 है। इस प्रकार जनपद में दोनों विधानसभा के वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 852, बढ़े हुए मतदेय स्थलों की संख्या 53 एवं प्रस्तावित कुल मतदेय स्थलों की संख्या 905 है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, मऊ आर आर रमन, कौंग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल, बसपा जिलाध्यक्ष शिवबाबू वर्मा, भाजपा महामंत्री आलोक पांडेय सहित संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का लिया जायजा

चित्रकूट। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन नामावलियों के परिशोधन के लिए बीते चार नवंबर से चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण अभियान (एस.आई.आर.) के तहत जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने शुक्रवार को उपजिलाधिकारी मानिकपुर मोहम्मद जसीम के साथ मानिकपुर ग्राम पचायत सरैंया के भाग संख्या-306, 307 एवं मुस्लिम पुरवा भाग संख्या-310 अन्तर्गत के बीएलओ राजमणि सिंह, भानु प्रताप एवं मुस्ताक अहमद द्वारा डोर-टू-डोर वितरित किये जा रहे गणना प्रपत्र वितरण कार्यक्रम का स्थलीय सत्यापन किया गया।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बीएलओ से गणना प्रपत्र वितरण के लिए प्राप्त किये गये प्रशिक्षण के सम्बन्ध जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बीएलओ ने बताया कि सरैया के भाग संख्या 306 में कुल 669 मतदाता है, जिनमें से 101 गणना फार्म वितरित किये गये है तथा 568 गणना प्रपत्र वितरित किये जाने है। इसी प्रकार भाग संख्या-307 में कुल 643 मतदाता है, जिनमे से 86 गणना फार्म वितरित किये जा चके है तथा तथा 557 शेष है। इसके अलावा मुस्लिम पुरवा भाग संख्या 310 में कुल 676 मतदाता है, जिनमें 143 मतदाताओं को फार्म वितरित किये जा चके है तथा 533 गणना प्रपत्र शेष है। इस पर डीएम ने निर्देश दिये गये कि शेष बचे गणना प्रपत्रों जल्द ही बांट दिया जाए ताकि मतदाता समय से गणना प्रपत्र भरकर उपलब्ध करा सकें।

उन्होंने उपस्थित्त ग्रामवासियो को प्रपत्र भरे जाने के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि गणना प्रपत्र दो प्रतियों में रहेगा, जिसकी एक प्रति मतदाता के पास रहेगी, जिसमें सम्पूर्ण विवरण भरा जायेगा तथा एक प्रति सबन्धित बीएलओ को वापस की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि वर्तमान में कुल 7,38,948 मतदाता है तथा कुल 852 बीएलओ तैनात है, जिन्हें गणना प्रपत्र दिए जा चुके है। इसी क्रम में बीएलओ द्वारा सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा रहे है। बताया कि यह विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण अभियान (एस.आई.आर.) बीती चार नवंबर से प्रारम्भ है, जो आगामी चार दिसम्बर तक चलेगा। उन्होंने ग्राम वासियों से अपील की कि इस विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के महत्व को समझते हुए सभी मतदाता अपना गणना प्रपत्र भरकर शीघ्र ही बीएलओ को उपलब्ध करा दें। बीएलओ से कहा कि मतदाताओं से इस माह कोई भी प्रपत्र नहीं लेना है, मात्र गणना प्रपत्र की एक प्रति ली जायेगी।

डीएम ने किया सड़क सुरक्षात्मक कार्य का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने शुक्रवार को ब्लैक स्पॉट-120 काली पहाड़ी मानिकपुर पर सड़क सुरक्षात्मक कार्य का निरीक्षण किया। यहां डीएम ने कार्य का जायजा लेकर कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को समय से कार्य को पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों द्वारा जानकारी दिए जाने पर सरैया-बोड़ी पोखरी तथा ऐंचवारा-भौरी मार्ग में भारी वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए हाइट गेज बैरियर लगवाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था निर्माण खण्ड एक लोनिवि चित्रकूट के अवर अभियन्ता मौके पर उपस्थित पाए गए, जिन्होंने डीएम को बताया कि आई.आई.टी. बी.एच.यू. द्वारा 2019 के चिन्हित ब्लैक स्पॉट की रोड़ रोपी ऑडिट के अनुसार सेफ साइट डिस्टेंस का कार्य कराया जाना है। यह कार्य सड़क सुरक्षा योजनान्तर्गत कराया जाना है, जिसकी कुल लागत 96.11 लाख रुपये है, जो स्वीकृत है। बताया कि मार्ग का चैड़ीकरण पहाड़ी को काटकर किया जा रहा है, जिसकी वर्तमान चैड़ाई को सात मीटर को बढ़ाकर 14 मीटर किया जाना है। साथ ही मार्ग में घाटी की तरफ रिटेनिंग वाल का भी निर्माण कराया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि यह कार्य मानक के अनुसार निर्धारित समयावधि में पूर्ण करायें। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने डीएम को अवगत कराया कि सतना रीवां (मध्य प्रदेश) से मानिकपुर होकर अत्यधिक संख्या में भारी वाहनों का सरैया-बोडी पोखरी व ऐंचवार-भौरी मार्ग से आवागमन होता है, जिस पर रोक लगाना आवश्यक है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस पर डीएम ने अधिशाषी अभियन्ता लोनिवि निर्माण खण्ड एक को निर्देश दिए कि सरैया-बोड़ी पोखरी तथा ऐंचवारा-भौरी मार्ग के दोनों तरफ सड़क पर हाइट गेज बैरियर लगवाए ताकि भारी वाहनों का इन मार्गों से आवागमन न होने पाये। इस मौके पर मानिकपुर उपजिलाधिकारी मोहम्मद जसीम सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

विद्या भारती की टीम ने किया विद्यालय का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के बेड़ीपुलिया स्थित बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलिज का शुक्रवार को विद्या भारती की टीम ने प्रान्तीय योजनानुसार वार्षिक निरीक्षण किया गया। साथ ही वंदे मातरम् की 150वीं जयंती पर वंदे मातरम् का सामूहिक वाचन किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रातःकालीन शारीरिक बेला में सभी विद्यार्थियों द्वारा किए गए शारीरिक प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। इसके बाद आध्यात्मिक बेला में दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ सरस्वती वंदना की गई। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र पाण्डेय ने विद्या भारती के टीम के सदस्यों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में विद्यालय में वन्दे मातरम् की 150वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान विद्यालय के अध्यक्ष कमलाकान्त उपाध्याय ने वन्दे मातरम् गीत के रचनाकार बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय की प्रसिद्ध कृति आनन्दमठ के बारे में जानकारी दी। इसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थियों व शिक्षकगणों ने वन्दे मातरम् का सामूहिक वाचन किया। इस मौके पर कानपुर के सम्भाग निरीक्षक अजय दुबे, सरस्वती विद्या मंदिर कुरारा के प्रधानाचार्य गिरीश शुक्ला, रसायन विज्ञान प्रवक्ता शुभम द्विवेदी, भौतिक विज्ञान प्रवक्ता प्रीतम, कार्यालय प्रमुख आदित्य, मीडिया प्रमुख विश्वास पाण्डेय, सर्वव्यवस्था प्रमुख शिवनायक, शिक्षण प्रमुख प्रमोद कुमार पाण्डेय, कार्यालय प्रमुख गोरेलाल आदि मौजूद रहे।

धान काटने गई महिला को जहरीला कीड़ा काटने से हुई मौत

अखंड भारत संदेश

बबेरू/बांदा। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उमरहनी गांव में धान काटने गई महिला को जहरीले कीड़े ने काटा, सीएचसी बबेरू में कराया भर्तीबबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उमरहनी गांव की रहने वाली महिला जगपतिया पत्नी छोटेलाल उम्र करीब 50 वर्ष यह आज शुक्रवार को धान काटने के लिए खेतों पर गई हुई थी, तभी धान काटने के बाद दोपहर में मेड पर बैठ गई। तभी पीछे से कोई जहरीले कीड़े ने काट लिया। जिससे हालत बिगड़ने लगी। जैसे ही परिजनों को जानकारी हुई तो सीएचसी बबेरू में दोपहर भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर किया गया सामूहिक वाचन

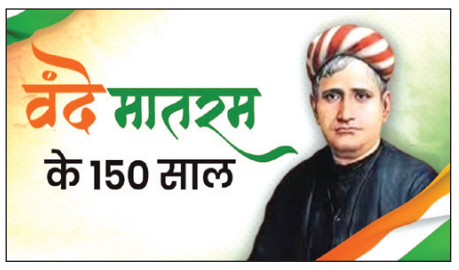

चित्रकूट। राष्ट्रवाद के अग्रदूत बांकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरमह्ल के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कलेक्टरेट सभागार में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग सहित जनप्रतिनिधियों व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने वंदे मातरम् का सामूहिक वाचन किया तथा स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा। जिसमें मुख्यमंत्री ने जनमानस को राष्ट्र प्रेम, आत्म निर्भरता एवं स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया। वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूरे पर कलेक्टरेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य सहित अन्य विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् गीत का वाचन किया। साथ ही स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक आर.के. रावत द्वारा किया गया।

बांदा प्रेस ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का आज होगा शपथ ग्रहण समारोह

मुख्य अतिथि होंगे डॉ. बाबूलाल तिवारी, विशिष्ट अतिथि भैरों प्रसाद मिश्रा

बांदा। बांदा प्रेस ट्रस्ट की नवगठित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को शाम 3 बजे होटल कंफर्ट इन, पीली कोठी बांदा में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर पत्रकारिता जगत से जुड़े वरिष्ठ जनों सहित जिले के अनेक पत्रकार उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे डॉ. बाबूलाल तिवारी, सदस्य विधान परिषद, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा शिरकत करेंगे।

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में नवगठित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को दायित्व ग्रहण कराया जाएगा। इसके साथ ही पत्रकारिता की स्वतंत्रता, सामाजिक सरोकार और जनपक्षीय मुद्दों पर संगठन की आगामी रूपरेखा पर भी चर्चा होगी।

बांदा प्रेस ट्रस्ट ने सभी पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों और पत्रकारिता की निष्पक्ष परंपरा को और मजबूत किया जा सके।

अवैध रायफल के साथ आरोपी गिरफ्तार

चित्रकूट। जनपद में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना मारकुण्डी के उपनिरीक्षक रामबाबू, अरविन्द कुमार सिंह व आरक्षी अमित तिवारी द्वारा आरोपी शिव प्रसाद उर्फ सेठ कोल निवासी डाड़ीकोलान थाना मारकुंडी को अवैध देशी रायफल व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में आरोपी के विरुद्ध थाना मारकुंडी में आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

परशुराम लक्ष्मण संवाद सुन श्रोता मंत्रमुग्ध

अखंड भारत संदेश

पैलानी/बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत खप्टिहाकला स्थित बस स्टॉप पर पांच दिवसीय बनवासी रामलीला के दूसरे दिन धनुष यज्ञ की लीला आयोजित की गई रामलीला में राजा जनक के रूप में कमलेश शुक्ला द्वारा अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए शंकर जी के धनुष के खंडन किए जाने की शर्त रखी गई ,जिस पर देश देश के महिपालों की भारी मिथिलापुरी में एकत्रित हुई और धनुष का खंडन तो डर उसे तिल भर डिगा नहीं सके जनक जी द्वारा वीर विहीन माही मैं जानी का शब्द सुनकर शेष अवतार लक्ष्मण अभिनेता के रूप में उत्तर भारत के ख्यातिलब्ध बांदा के अलोना गांव निवासी मनोज तिवारी ने अभिनय करते हुए राजा जनक की बात सुनकर क्रोधित हुए तत्पश्चात गुरु विश्वामित्र जी की आज्ञा पाकर मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के रूप में मोनू दुवेदी अतर्रा ने धनुष का खंडन किया और मां जानकी जी के साथ उनका विवाह संपन्न हुआ इसके पश्चात परशुराम का अभिनय करने वाले अतर्रा के गोखिया गांव निवासी कैलाश त्रिपाठी ने पदार्पण होने पर परशुराम लक्ष्मण जी का अनोखा संवाद हुआ जिसे सुनकर दर्शक भाव विभोर हो गए इस दौरान ब्यास के रूप में सुरेंद्र तिवारी गिरवां, तबला वादक विपिन सिंह,नर्तक पलकरानी,बिल्लू रानी, मेवालाल ने कार्यक्रम में शामिल रहे इस दौरान मुन्ना खांन, गुड्डू सिंह चंदेल? आदि रहे । संचालन मनोज दीक्षित ने किया।

चाय के कप ने पाकिस्तान में मचाया हड़कंप, भारत खुश तो बहुत होगा

पाकिस्तान

पाकिस्तान का एक चाय का कप भारत के लिए अब तक का सबसे बड़ा कूटनीतिक खजाना साबित हुआ है। पाकिस्तान ने चाय पीकर ऐसी गलती कर दी जिसकी कीमत अब पूरा पाकिस्तान जिंदगी भर चुकाएगा। खुद पाकिस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री ईशाक डार ने संसद में खड़े होकर कहा है कि यह चाय का कप देश को बहुत महंगा पड़ रहा है। दरअसल यह चाय पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद ने 2021 में काबुल में पी थी। उस वक्त अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान आया था। उसी समय सितंबर 2021 की शुरूआत में जनरल फैज हामिद चुपचाप काबुल पहुंचे थे। काबुल में एक ही फाइव स्टार होटल था जिसका नाम सेरेना था। यहीं पर फैज हामिद ने तालिबान के सीनियर नेताओं के साथ चाय पी थी।
चाय पीते हुए वह खिलखिलाकर हंस रहे थे।

संयोग से इसी होटल में ब्रिटेन की एक महिला पत्रकार भी मौजूद थी। जिसने ना सिर्फ फैज हामिद की फोटो ली बल्कि कुछ सवाल भी पूछे। सवाल के जवाब में फैज हामिद ने सिर्फ इतना कहा कि ऑल इज वेल। पूर्व आईएसआई चीफ जनरल फैज हामिद ने तालीबान के साथ चाय पीते हुए कहा था कि आप तो हमारे दोस्त हैं। अब हम भारत को मिलकर बर्बाद कर देंगे। लेकिन फैज हामिद की उस चाय ने पूरे पाकिस्तान को डुबो दिया है। विदेश मंत्री इशाक डार ने संसद में खड़े होकर कहा है कि इसी चाय के बाद पाकिस्तान ने तालीबान के लिए अपने बॉर्डर खोल दिए थे। जिसकी वजह से 35 से 40 हजार तालीबानी जो वापस अफगानिस्तान चले गए थे वो फिर पाकिस्तान में घुस आए। इशाक डार ने बताया कि उस समय के प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके आईएसआई चीफ फैज हामिद ने तालिबान के उन आतंकियों को भी रिहा कर दिया जिन्होंने पाकिस्तान के झंडे जलाए थे।
पाकिस्तानियों को बेरहमी से मारा था। आज तालीबान के वो सभी आतंकी वापस पाकिस्तान में घुस आए हैं। कईयों ने बलूचिस्तान में मोर्चा संभाल लिया है। कई खैबर पख्तून कुआं को पाकिस्तान से अलग करना चाहते हैं। उस समय शायद पाकिस्तान को यह नहीं पता था कि भारत भी पीछे से बहुत बड़ा खेल कर रहा है। फैज हामिद ने तो तालिबान के साथ सिर्फ चाय पी थी।

ऐतिहासिक ब्लू मस्जिद टूटने पर मुस्लिम मायूस, अफगानिस्तान में भूकंप ने मचाई तबाही

अफगानिस्तान

अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ में सोमवार तड़के आए 6.3 तीव्रता के भूकंप ने देश की पहचान मानी जाने वाली नीली मस्जिद को गहराई से झकझोर दिया। 15वीं सदी में बनी यह मस्जिद पैगंबर मोहम्मद के दामाद और पहले शिया इमाम हजरत अली की मजार मानी जाती है। झटकों से मस्जिद की मीनारों के ऊपरी हिस्से गिर गए, दीवारों में बड़ी दरारें आ गई। सैकड़ों फिरोजा और लापीस टाइलें टूटकर बिखर गई। अफगान अधिकारियों के अनुसार, इस भूकंप में 26 लोगों की मौत हुई और 1,100 से अधिक घायल हुए। बल्ख और समांगन प्रांतों में सैकड़ों इमारतें नष्ट हो गई। भूकंप से पहले ही अफगानिस्तान आर्थिक संकट, घटती विदेशी सहायता, और पाकिस्तान से सीमा तनाव झेल रहा था। अब यह आपदा देश की जर्जर स्थिति की प्रतीक बन गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मस्जिद उनके लिए 'मां' की तरह है, लेकिन अब यह भी टूटती जा रही है। बारिश और उपेक्षा से स्थिति और बिगड़ रही है। नागरिकों का कहना है कि तालिबान सरकार ने अब तक न तो बहाली शुरू की है और न किसी अंतरराष्ट्रीय मदद की मांग की है। तालिबान शासन में महिलाओं का प्रवेश मस्जिद में प्रतिबंधित है, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या घट गई है। वहीं, रोजगार की कमी और गरीबी ने लोगों की पीड़ा बढ़ा दी है। उत्तरी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। इस भूकंप में बचे लोग कड़ाके की ठंड में रात खुले में बिताने को मजबूर थे। भूकंप प्रभावित लोग मंगलवार को अपने घरों के मलबे से बचे हुए सामान को निकालने की कोशिश करते नजर आए। क्षेत्र में बारिश का पूवार्नुमान है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ जाएगी। सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात एक बजे से कुछ ही समय पहले 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र सामंगन प्रांत के खुल्म शहर से 22 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिणपश्चिम में था। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि मंगलवार सुबह तक मृतकों की संख्या 21 हो गई थी, जबकि 819 लोग घायल हुए थे, जिनमें से 25 की हालत गंभीर है। भूकंप से ऐतिहासिक स्थलों को भी नुकसान पहुंचा है, जिनमें अफगानिस्तान के उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ में स्थित प्रसिद्ध नीली मस्जिद, जो अफगानिस्तान के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों में से एक है, तथा खुल्म में बाग-ए-जहां नामा महल भी शामिल है। बल्ख प्रांत के सूचना एवं संस्कृति प्रमुख महमूदुल्लाह जरार ने बताया कि नीली मस्जिद की मीनार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जबकि मस्जिद की कुछ दीवारों से ईंटें और टाइलें गिर गई हैं तथा सदियों पुराने स्थल के अन्य हिस्सों में दरारें आ गई हैं। उन्होंने कहा कि यह पवित्र दरगाह इस्लामी मूल्यों और इस्लामी युग के इतिहास का एक मूल्यवान स्मारक है... (और) इसकी मरम्मत और जीर्णोद्धार की सख्त जरूरत है।ह्व समांगन प्रांत के सूचना एवं संस्कृति प्रमुख फिरोजुद्दीन मुनीब ने बताया कि प्रांत में सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त ऐतिहासिक स्मारक 19वीं सदी का बाग-ए-जहांनामा महल था।

मुनीर अब कभी रिटायर नहीं होगा? पाकिस्तान आखिर क्या ऐसा करने जा रहा है

पाकिस्तान

पाकिस्तान के सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को और अधिक अधिकार मिलने वाले हैं क्योंकि शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार कथित तौर पर 27वें संविधान संशोधन पर विचार कर रही है। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य सशस्त्र बलों की कमान से संबंधित नियमों में संशोधन करना और फील्ड मार्शल के पद को संवैधानिक मान्यता प्रदान करना है। सेना की कमान संरचना को रेखांकित करने वाले अनुच्छेद 243 में विशेष रूप से महत्वपूर्ण बदलाव अपेक्षित हैं।
इन अटकलों को तब बल मिला जब पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक्स पर पोस्ट किया कि सरकार ने 27वें संशोधन पर समर्थन के लिए उनसे संपर्क किया है।
प्रस्तावित प्रमुख संशोधनः एक अलग संवैधानिक न्यायालय का गठनः प्रस्तावित संशोधन के तहत, सर्वोच्च न्यायालय से स्वतंत्र एक नया संवैधानिक न्यायालय स्थापित किया जाएगा। संघीय-प्रांतीय शक्तियों का पुनर्गठनः संघीय सरकार वर्तमान में प्रांतों द्वारा नियंत्रित कुछ शक्तियों को वापस लेने पर विचार कर सकती है। इसमें उन नियमों को हटाना शामिल हो सकता है जो प्रांतों को राष्ट्रीय वित्त आयोग (एनएफसी) के माध्यम से धन का उचित हिस्सा प्राप्त करने की गारंटी देते हैं। इसमें शिक्षा और जनसंख्या नियोजन जैसी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियों को प्रांतीय सरकारों से वापस संघीय नियंत्रण में स्थानांतरित करना भी शामिल हो सकता है।

माया हांडा की प्रगतिशील रणनीति का जादू, न्यूयॉर्क में बदली चुनाव की हवा, ममदानी को मिली जीत

न्यूयॉर्क

जोहरान ममदानी अपने मेयर पद के अभियान के जरिए एक कम-ज्ञात विधायक से दुनिया भर में एक जाना-पहचाना नाम बन गए। ममदानी और उनकी टीम की कड़ी मेहनत का फल उन्हें 4 नवंबर को न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के चुनावों में ऐतिहासिक जीत के रूप में मिला, जहाँ उन्होंने पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन कर्टिस स्लीवा को हराया। विभिन्न नामों के बीच, ममदानी की अभियान प्रबंधक माया हांडा को अब अभियान प्रबंधक के रूप में उनके प्रयासों के

लिए विश्व स्तर पर पहचाना जा रहा है, जिसने ममदानी को विश्व पटल पर ला खड़ा किया। ममदानी की टीम की एक युवा प्रगतिशील कार्यकर्ता, हांडा ने 34 वर्षीय एलिस बिसगार्ड-चर्च के मुख्य सलाहकार की भूमिका में आने के बाद, अभियान प्रबंधक का पदभार संभाला। ममदानी का अभियान हांडा द्वारा प्रबंधित प्रगतिशील प्रयासों की श्रृंखला में नवीनतम था। इससे पहले, उन्होंने राज्य सीनेटर जेलनर मायरी के मेयर पद के अभियान का संचालन किया था और न्यूयॉर्क राज्य विधानसभा में उनके कार्यकाल के दौरान ममदानी के साथ काम किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, हांडा का प्रगतिशील अभियानों के प्रबंधन का एक मजबूत रिकॉर्ड रहा है। सीएनएन ने न्यूयॉर्क शहर की राजनीति में एक प्रमुख प्रगतिशील ताकत, वर्किंग फैमिलीज पार्टी के साथ उनके सहयोग का भी ज़िक्र किया है।

शीत युद्ध की आहट! पुतिन ने तोड़े परमाणु परीक्षण प्रतिबंध, अमेरिका को दिया करारा जवाब

रूस

रूस ने अमेरिका के साथ अपने टकराव को और बढ़ा दिया है। व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया है कि वह बड़े पैमाने पर परमाणु परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है, साथ ही वेनेजुएला, जो रूस का एक जाना-माना अमेरिकी-विरोधी सहयोगी है। अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा सकता है। हालाँकि ये दोनों कदम अलग-अलग क्षेत्रों में उठाए जा रहे हैं, लेकिन इन्हें व्यापक रूप से एक ही रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रभाव को चुनौती देना और यह प्रदर्शित करना है कि मास्को अपने निकटवर्ती पड़ोस से कहीं आगे तक अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर सकता है।

परमाणु तनाव बढ़ता जा रहा

नए परमाणु परीक्षण पर चचाओं का तत्काल कारण तब बना जब पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। अमेरिका ने 1992 के बाद से कोई परमाणु विस्फोट आधारित परीक्षण नहीं किया है, हालाँकि उसकी प्रयोगशालाएँ परिष्कृत कंप्यूटर मॉडलिंग और बिना परमाणु ऊर्जा वाले सबक्रिटिकल प्रयोगों का उपयोग करके विस्फोटों का अनुकरण करना जारी रखती हैं। अमेरिकी ऊर्जा सचिव ने बाद में स्पष्ट किया कि वाशिंगटन वास्तविक परमाणु विस्फोटों वाले परीक्षणों की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन इस सुझाव पर ही मास्को की तीखी प्रतिक्रिया हुई। रूस की सुरक्षा परिषद के साथ एक बैठक में, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रक्षा और विदेश नीति अधिकारियों को परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के लिए संभावित प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रूस तभी कोई कदम उठाएगा जब अमेरिका पहले ऐसे परीक्षण करेगा, और किसी भी कदम को पारस्परिक उपाय के रूप में प्रस्तुत किया। रूस ने 2023 में व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का अनुसमर्थन वापस ले लिया, यह तर्क देते हुए कि वाशिंगटन ने कभी इस समझौते का अनुसमर्थन नहीं किया है और इसलिए मास्को को अब एकतरफा रूप से इससे बाध्य नहीं होना चाहिए। 1996 में अपनाई गई यह संधि सभी परमाणु विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाती है, लेकिन यह कभी भी पूरी तरह से कानूनी रूप से लागू नहीं हो पाई क्योंकि प्रमुख परमाणु संपन्न देशों ने इसका अनुसमर्थन नहीं किया है। विश्लेषकों का कहना है कि रूस शायद परीक्षण करने के लिए उत्सुक नहीं है, क्योंकि यह महंगा होगा और मास्को के संयम के दावों को कमजोर कर सकता है। फिर भी, इस खतरे का रणनीतिक महत्व है।

मोबाइल गिराया, कॉलर से पकड़कर खींचा, कनाडा के टोरंटो में नशे में धुत व्यक्ति ने भारतीय व्यक्ति पर हमला किया

कनाडा

भारतीयों के प्रति बढ़ते नस्लवादी हमलों के बीच, सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो सामने आया है जिसमें टोरंटो के एक फास्ट-फूड स्टोर में एक कनाडाई व्यक्ति द्वारा एक भारतीय व्यक्ति पर हमला किया जा रहा है। यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और ऑनलाइन बहस छिड़ गई है। जहाँ ज्यादातर लोगों ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया, वहीं कुछ यूजर्स ने हमले का शिकार हुए व्यक्ति के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियाँ करके नफरत को भी हवा दी।

कथित तौर पर यह घटना मैकडॉनल्ड्स के अंदर 'मोबाइल ऑर्डर पिक-अप' काउंटर के पास हुई, जिसमें टोरंटो ब्लू जेज जैकेट पहने एक व्यक्ति को एक अन्य व्यक्ति की ओर बढ़ते देखा जा सकता है, जो भारतीय मूल का लग रहा था। इसके बाद, कनाडाई व्यक्ति अचानक भड़क गया और उसने अपना फोन एक तरफ फेंक दिया। कुछ ही क्षणों बाद, वह व्यक्ति नशे की हालत में भारतीय व्यक्ति की ओर बढ़ता, उसे धक्का देता और उसका कॉलर पकड़ता हुआ दिखाई देता है।
सोशल मीडिया पर एक विडियो वायरल हो रहा है, जिसमें टोरंटो के एक रेस्टोरेंट के अंदर एक नशे में धुत व्यक्ति को एक भारतीय युवक पर हमला करते हुए देखा जा सकता है।

ट्रंप ने अमेरिका को पाकिस्तान बना दिया, देश छोड़ने निकले 32 लाख लोग

अमेरिका

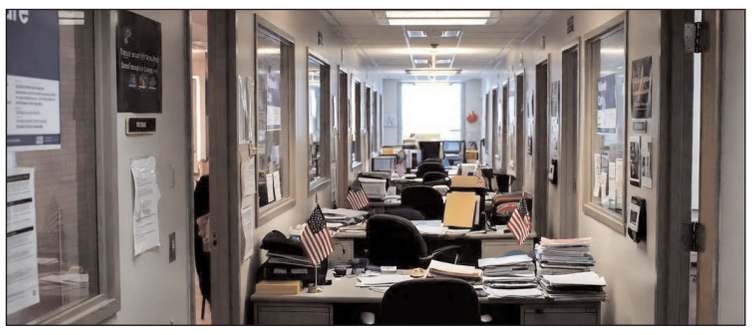

ट्रंप अपनी सनक में कैसे अमेरिका को बर्बाद करने पर तुले हैं, उसके सबूत लगातार सामने आ रहे हैं। ट्रंप की सनक का ही नतीजा है कि अभी तक अमेरिका में शटडाउन लागू है। अमेरिका में शटडाउन लागू हुए 1 महीने से ज्यादा का वक्त हो चुका है। लेकिन अभी तक इसे हटाने का कोई भी ठोस हल नहीं निकला है। इस शटडाउन की वजह से अमेरिका में बड़ी तबाही मची हुई है। दरअसल अमेरिका में 1 अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन अभी तक जारी है। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। लेकिन इस बार के शटडाउन ने यह भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है।
अमेरिका में सबसे ज्यादा अगर कोई व्यवस्था

चरमरा गई है तो वो है विमानन प्रणाली की। अचानक लगभग 32 लाख से ज्यादा यात्री हवाई अड्डों पर फंस गए हैं। कई उड़ाने या तो रद्द कर दी गई है या घंटों की देरी से चल रही है। जिससे देश भर के प्रमुख हवाई अड्डों पर भगदड़ जैसी स्थिति है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ड्यूटी पर नहीं पहुंच रहे हैं और वह बिना वेतन के काम करना नहीं चाहते। इस वजह से उड़ानों में देरी हो रही है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने घोषणा की कि वह अमेरिकी सरकार में मौजूदा ह्यशटडाउनह्व के दौरान सुरक्षा बनाए रखने के लिए शुक्रवार सुबह से 40 सबसे व्यस्त मार्गों पर 10 प्रतिशत हवाई यातायात सेवाएं कम करेगा। बयान के अनुसार, एजेंसी को कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रक बिना वेतन के काम कर रहे हैं। वहीं कुछ ने ह्यशटडाउनह्व के दौरान काम बंद कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप देश भर में उड़ानों में देरी हो रही है। यह ह्यशटडाउनह्व (सरकारी कामकाज के लिए वित्तपोषण की कमी) एक अक्टूबर को तब शुरू हुआ जब डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने अल्पकालिक वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और मांग की कि विधेयक में ह्यअफोर्डेबल केयर एक्टह्व के तहत स्वास्थ्य बीमा के लिए संघीय रियायत का विस्तार शामिल किया जाए। अमेरिका में सरकारी खर्चों के लिए पैसा खत्म होने के बाद संसद की ओर से एक वित्तीय पैकेज को मंजूरी दिलानी होती है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

अमेरिकी चुनावों में ट्रंप की नीतियों की हार और वाम विचारधारा के उभार ने बड़े राजनीतिक संकेत दिये हैं

अमेरिका

अमेरिका की राजनीति में हालिया चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र में सत्ता का अहंकार लंबे समय तक नहीं टिकता। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा सत्ता में लौटने के दस माह बाद हुए इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। डेमोक्रेट्स ने वर्जीनिया और न्यू जर्सी के राज्यपाल चुनावों में निर्णायक जीत दर्ज की, जबकि न्यूयॉर्क सिटी में भारतीय मूल के जोहरान ममदानी के मेयर चुने जाने ने राजनीतिक परिदृश्य को नया आयाम दिया। यह परिणाम केवल डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत नहीं, बल्कि ट्रंप की विभाजनकारी राजनीति के विरुद्ध एक नैतिक और वैचारिक जनादेश भी प्रतीत होता है।

हम आपको बता दें कि वर्जीनिया में अबीगेल स्पैनबर्गर ने इतिहास रचते हुए राज्य की पहली महिला गवर्नर के रूप में जीत दर्ज की, वहीं हैदराबाद में जन्मीं गजाला हाशमी उप-राज्यपाल बनीं। न्यू जर्सी में नौसेना अधिकारी रह चुकीं मिशेल शेरिल ने रिपब्लिकन प्रत्याशी को पराजित किया। इन तीनों महिला नेताओं का एक साझा बिंदु है– राष्ट्र सुरक्षा और जनसेवा में अनुभव, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से वे ट्रंप के विचारों के विपरीत खड़ी हैं।
वहीं न्यूयॉर्क में 34 वर्षीय जोहरान ममदानी की जीत इस चुनावी चक्र की सबसे चर्चित घटना रही। मीरा नायर और महमूद ममदानी के पुत्र जोहरान, जो डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका से जुड़े हैं, उन्होंने पूर्व गवर्नर एंड्रयू

कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लीवा को हराकर इतिहास रच दिया। उनकी जीत न केवल अमेरिकी राजनीति में दक्षिणपंथी लहर के विरुद्ध शहरी जनमत का संकेत है, बल्कि समाजवादी नीतियों की नई स्वीकार्यता का भी प्रतीक है।
देखा जाये तो ये चुनाव केवल कुछ राज्यों की राजनीतिक अदला-बदली नहीं हैं; ये अमेरिका की विचारधारात्मक आत्मा की लड़ाई का संकेत हैं। पिछले कुछ वर्षों में ट्रंप ने ह्लअमेरिका बनाम कम्युनिज्मह्व जैसी रेखाएं खींचकर समाज को दो हिस्सों में बाँटने का प्रयास किया। लेकिन हालिया परिणाम दशार्ते हैं कि अमेरिकी मतदाता इन ध्रुवीकरण प्रयासों से थक चुके हैं। स्पैनबर्गर और शेरिल जैसी मध्यमार्गी महिला नेताओं के साथ ममदानी जैसे समाजवादी विचारक की सफलता यह बताती है कि अमेरिकी मतदाता अब ह्लपहचान की राजनीतिह्व से आगे बढ़कर ह्लजीवन की सामर्थ्यता" और ह्लसमान अवसरोंह्व की ओर झुक रहे हैं। यही कारण है कि ममदानी का नारा– ह्लफ्री ट्रांजिट और सस्ती हाउसिंगह्व, न्यूयॉर्क के मतदाताओं के दिल तक पहुंचा।
चुनाव परिणामों पर कई राजनयिकों और विशेषज्ञों ने ठीक ही कहा है कि ममदानी की जीत ह्लन्यूयॉर्क का ट्रंप की नीतियों को जवाबह्व है। यह अमेरिका के भीतर उस वैचारिक प्रतिरोध का हिस्सा है जो ट्रंप की दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद की राजनीति को चुनौती दे रहा है। इस परिघटना का प्रभाव केवल अमेरिकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका विश्व राजनीति का वैचारिक दिशा-सूचक है। यदि वहां समाजवादी और प्रगतिशील नीतियों की स्वीकृति बढ़ती है, तो यह यूरोप, लैटिन अमेरिका और एशिया में भी लोकतांत्रिक समाजवादी आंदोलनों को नई ऊर्जा दे सकती है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों में भी यह परिघटना मध्यम वर्ग और शहरी युवाओं के बीच समानता और जनहित आधारित राजनीति की चर्चा को पुनर्जीवित कर सकती है।